दिल्ली
अधिकतम तापमान 27 डिग्री
न्युनतम तापमान 22 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 21 डिग्री

मंगलवार 07 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :17 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 06 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 एसआईआर के कई सवाल अब भी अनसुलझे

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 353 | गाजियाबाद, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

बिहार विधानसभा का चुनावी बिगुल बजा, दो चरणों में होगा चुनाव

6 और 11 नवंबर को मतदान, मतगणना 14 को

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को कराये जायेंगे तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग द्वारा सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किये जाने के साथ ही राज्य में तत्काल प्रभाव से आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गयी है। राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा की 121 सीटों पर पहले चरण में और 122 सीटों पर दूसरे चरण में मतदान कराया जाएगा। पहले चरण में राज्य के मध्यवर्ती क्षेत्र की सीटों और दूसरे चरण में नेपाल और पड़ोसी राज्यों से लगे क्षेत्रों की सीटों पर चुनाव कराया जा रहा है।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि छह नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी की जायेगी और नामांकन 17 अक्टूबर तक कराये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर को होगी और नाम 20 अक्टूबर तक वापस लिए जा सकेंगे। दूसरे चरण में 11 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जायेगी और नामांकन 20 अक्टूबर तक किया जा सकेगा। नामांकन पत्रों की जांच 21 अक्टूबर को होगी तथा 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिये जा सकेंगे।

श्री कुमार ने बताया कि दोनों चरणों की मतगणना एक साथ 14 नवंबर को की जाएगी और चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी कर ली जायेगी। इसके साथ ही बिहार में आज से आदर्श चुनाव संहिता लागू हो गयी है। इस चुनाव में राज्य के कुल 7.42 करोड़ मतदाता 90712 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का इश्तेमाल कर सकेंगे।

आयोग चुनाव व्यवस्था संभालने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों, अन्य पर्यवेक्षकों , दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मियों समेत साढे आठ लाख कर्मियों की तैनाती करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयुक्त डॉ विवेक जोशी तथा सुखबीर सिंह संधु के अलावा आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने आज छह राज्यों और केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर की आठ विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव के कार्यक्रम की भी घोषणा की जो बिहार विधानसभा के दूसरे चरण के चुनाव के साथ 11 नवंबर को कराये जाएंगे।

राजस्थान की अंता विधानसभा सीट, झारखंड की घाटशिला, तेलंगान की जुबली हिल्स, पंजाब की तरनतारन , मिजोरम की दम्पा और ओडिशा की नौपाड़ा सीट तथा जम्मू-कश्मीर कीबडगाम और नगरोटा सीटों के उप चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी।

बिहार में इस बार कुल 7.42 करोड़ मतदाताओं में 3.92 करोड़ पुरुष तथा 3.50 करोड़ महिलाएं हैं। राज्य में पहली बार मतदाता बने 18 से 19 वर्ष की आयु के युवाओं की संख्या 14.01 लाख है। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 7.20 लाख और 85 साल से अधिक उम्र के मतदाता 4.04 लाख हैं। सौ वर्ष से अधिक उम्र के करीब 14 हजार मतदाता हैं। ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 1725 तथा सैन्य बलों के मतदाताओं की संख्या 1.63 लाख है। बीस से 29 वर्ष आयु वाले मतदाताओं की संख्या 1.63 करोड़ है। आयोग ने बताया कि इस चुनाव के लिए 90,712 मतदान केंद्र बनाये जायेंगे। इनमें से 76,801 ग्रामीण क्षेत्रों में तथा शेष 13,911 शहरी क्षेत्रों में होंगे। प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या औसतन संख्या 818 होगी और सभी मतदान केंद्रों की वेब कास्टिंग की जायेगी।

एक हजार तीन सौ पचास मॉडल मतदान केंद्र होंगे और 1044 केंद्रों का संचालन पूरी तरह से महिलाओं को दिया जायेगा। इसके अलावा 38 केंद्रों की कमान युवा तथा 292 केंद्रों का संचालन दिव्यांग करेंगे।आयोग ने मतदान केंद्रों तक पहुंच को सुगम, सहज और सुरक्षित बनाने के लिए पर्याप्त प्रबंध किए हैं। हर मतदान केंद्र पर पोल वॉलंटियर, हेल्प डेस्क, पीने का पानी, दिव्यांगों के लिए रैम्प की व्यवस्था रहेगी।

दियारा क्षेत्र के करीब 250 मतदान केंद्रों पर पुलिस के घुड़सवार दश्ते गश्त लगायेंगे जबकि 197 मतदान केंद्रों पर गश्ती दल नौकाओं से जायेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार में सभी राजनीति दलों, मतदाताओं और मीडिया के लोगों से चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी मतदाता या उम्मीदवार को किसी तरह की धमकी या उन्हें दबाव में लेने की हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्री कुमार ने बिहार में 22 साल बाद मतदाता 'शुद्धीकरण' की प्रकिया की सफलता में सहयोग के लिए राज्य के मतदाताओं , राजनीतिक दलों , 90 हजार से अधिक , 243 मतदाता पंजीकरण अधिकारियों , 38 जिला चुनाव अधिकारियों और मुख्य चुनाव अधिकारी के साथ साथ राजनीतिक दलों के एक लाख से अधिक बूथ श्तरीय कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

उन्होंने कहा, "बिहार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये अन्य राज्यों को एक राश्ता दिखाया है।" आयोग ने मतदताओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किया जिस पर वे जरूरत पड़ने पर सहायता मांग सकते हैं। इसके अलावा आयोग के एकीकृत ऐप के माध्यम से भी सहायता ली जा सकती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि बिहार की पक्की मतदाता सूची में अब भी जिन पात्र लोगों के नाम छूट गये हैं वे नामांकन की तिथि के दस दिन पूर्व तक अपना नाम जोड़वा सकते हैं। इसके लिए उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी के पास विधिवत दावा करना पड़ेगा।

मुर्मु ने प्रदान किये राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में 2022-23 के लिए 'माई भारत-राष्ट्रीय सेवा योजना' पुरस्कार प्रदान किये। युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा 1993-94 में स्थापित यह पुरस्कार, समाज सेवा, सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले देश के प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। आधिकारिक सूचना के अनुसार मेरा भारत-राष्ट्रीय सेवा योजना सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से है और जिसका उद्देश्य स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना है। यह योजना 1969 में महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी समारोह के दौरान शुरू की गई थी।

पप्पू यादव का आरोप, भाजपा की तारीख पर आयोग करा रहा चुनाव

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। चुनाव आयोग ने सोमवार को आगामी विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। बिहार की कुल 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर और दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को प्रश्तावित है, वहीं मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। चुनाव तारीख आने के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई। पूर्णियां से निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने चुनाव आयोग और भाजपा में सांठगांठ का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा की तारीख पर चुनाव हो रहा है। पूर्णियां सांसद पप्पू यादव ने चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "आयोग अपने मन से कुछ नहीं करती है। उनकी पूरी प्रक्रिया बीजेपी द्वारा होती है। जब भाजपा पूरी प्रक्रिया अपना लेती है, उसके बाद आयोग किसी मोर्चा या संगठन के तहत उनसे पूछती है कि चुनाव कब कराना है, फिर इसकी तारीख का ऐलान होता है।"

ईडी ने कर्नाटक एमयूडीए मामले में 40 करोड़ की संपत्तियां कुर्क कीं

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने कर्नाटक एमयूडीए से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में 40 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत चार अक्टूबर को 34 अचल संपत्तियों को कुर्क करने का अनंतिम आदेश जारी किया गया था, जिसमें एमयूडीए (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) के कुछ भूखंड भी शामिल हैं। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 40.08 करोड़ रुपये है। धन शोधन का यह मामला कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस की एक प्राथमिकी से जुड़ा है। ईडी ने पहले भी संपत्ति कुर्क करने के इसी तरह के आदेश जारी किए थे और इस नई कार्रवाई के साथ ही अब तक इस जांच के तहत 400 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है।

नगालैंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने लचीला सुपरकैपेसिटर विकसित किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। नगालैंड विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने एक लचीला सुपरकैपेसिटर उपकरण विकसित किया है जो अगली पीढ़ी के पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों को ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम है। अधिकारियों के अनुसार, यह एक ऐसी सफलता है जिसमें ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों को बदलने की क्षमता है। अधिकारियों ने बताया कि ऊर्जा भंडारण के लिए मोलिब्डेनम डाइसेलेनाइड में टंगस्टन, वैनेडियम और कोबाल्ट के मिश्रण की तुलना करने वाला यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है।

अदालत कक्ष में वकील ने सीजेआई की ओर जूता फेंकने की कोशिश की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय में सोमवार को कार्यवाही के दौरान एक वकील ने भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई की ओर कथित तौर पर जूता फेंकने की कोशिश की। वकीलों ने यह जानकारी दी। यह घटना उस समय घटी जब प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ वकीलों द्वारा उल्लेख किए गए मामलों की सुनवाई कर रही थी।

वकील मंच के पास पहुंचा, अपना जूता निकाला और उसे न्यायाधीश की ओर फेंकने की कोशिश की। अदालत कक्ष में मौजूद सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हश्तक्षेप किया और हमले को रोका। वकील को तुरंत अदालत परिसर से बाहर ले जाया गया। जब वकील को ले जाया जा रहा था, तो उसे चिल्लाते हुए सुना गया, ''सनातन का अपमान नहीं सहेंगे''।

घटना के बाद सीजीआई ने अपना संयम बनाए रखा और अदालत कक्ष में उपस्थित वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''इन सब बातों से विचलित मत होइए। हम विचलित नहीं हैं। इन बातों का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।'' उच्चतम न्यायालय की सुरक्षा इकाई ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अभी यह पता नहीं चला है कि वकील ने इस हरकत को क्यों अंजाम दिया।

CJI को निशाना बनाना संविधान पर हमला : सोनिया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर उच्चतम न्यायालय परिसर में हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे संविधान पर हमला करार दिया है।

श्रीमती गांधी ने सोमवार को यहां एक वक्तव्य में कहा 'भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर उच्चतम न्यायालय में हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है।' उन्होंने न्यायमूर्ति गवई को नेक इंसान बताते हुए कहा कि वह बहुत सरल और दयालु स्वभाव के इंसान हैं, लेकिन उन पर हमले के विरोध में राष्ट्र को पूरी मजबूती और

उपराष्ट्रपति ने अस्पताल में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर शोक जताया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को जयपुर के एक अस्पताल में आग लगने की घटना में लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल की न्यूरो गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में देर रात भीषण आग लग गई, जिससे छह मरीजों की मौत हो गई।

राधाकृष्णन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने की दुखद घटना में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ

कांग्रेस ने रायबरेली हत्या मामले में योगी से इस्तीफा मांगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने रायबरेली में एक दलित युवक की हत्या के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार मानते हुए उनके तत्काल इश्तीफे की मांग की है।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रमुख राजेंद्र पाल गौतम तथा पार्टी सांसद इमरान मसूद ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा शासित राज्यों में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा घटनाएं हो रही हैं। उनका कहना कहना था कि प्रदेश में पिछले 10 साल में दलित उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पार्टी ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा दलित उत्पीड़न की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही हैं और ताजा घटना रायबरेली की है जहां दलित युवक की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या की गई। पार्टी ने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार मानते हुए उनसे तत्काल इश्तीफे की मांग की और कहा कि दोषियों को सख्त सजा देने के लिए घटना की एसआईटी से जांच कराई जानी चाहिए।

दोनों नेताओं ने कहा कि देश में दलित उत्पीड़न के मामले में पांच भाजपा शासित राज्य शीर्ष पर हैं। इन राज्यों में दलित उत्पीड़न की 75 प्रतिशत घटनाएं हुई हैं। अकेले उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा 26.2 प्रतिशत है। रायबरेली की घटना में जब दलित युवक को पीटा जा रहा था तो इस घटना के वायरल वीडियो में दिख रहा था कि युवक अपने सांसद राहुल गांधी का नाम ले रहा था, लेकिन आरोपी मजाक उड़ाते हुए कह रहे थे 'यहां सब बाबा वाले हैं।'

उनका कहना था कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि 2023 में देशभर में

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी : SC का केंद्र को नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत की गयी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने श्री वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब तलब किया।

पीठ ने श्रीमती अंगमो की याचिका पर उनके अधिवक्ता कपिल सिब्बल और केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद आदेश पारित किया। पीठ ने कहा, 'नोटिस जारी करें।' इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने पीठ के समक्ष कहा कि याचिका पर्यावरणविद् वांगचुक की हिरासत की आलोचना करती है। पीठ के समक्ष दलील देते हुए उन्होंने कहा, 'हम हिरासत के खिलाफ हैं।' इस पर केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि श्री वांगचुक को हिरासत के आधार बताये गये हैं। श्रीमती अंगमो ने राष्ट्रीय

सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत अपने पति की हिरासत को चुनौती दी है। इस मामले में श्रीमती अंगमो ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में अपने पति की गिरफ्तारी को अवैध करार दिया है।

उन्होंने याचिका में अपने पति पर एनएसए लगाने पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि उनकी 'गिरफ्तारी अवैध और नियमों का उल्लंघन है।'

उन्होंने यह भी कहा कि गिरफ्तारी के बाद उनके पति से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। गौरतलब है कि श्री वांगचुक को गिरफ्तार करने के बाद राजस्थान की जोधपुर केन्दीय जेल में रखा गया है। लद्दाख में अलग राज्य का दर्जा दिये जाने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद उन्हें 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। इस प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गयी थी।

नगालैंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने किया लचीला सुपरकैपेसिटर विकसित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

नगालैंड विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने एक लचीला सुपरकैपेसिटर उपकरण विकसित किया है जो अगली पीढ़ी के पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों को ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम है।

अधिकारियों के अनुसार, यह एक ऐसी सफलता है जिसमें ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों को बदलने की क्षमता है।

अधिकारियों ने बताया कि ऊर्जा भंडारण के लिए मोलिब्डेनम डाइसेलेनाइड में टंगस्टन, वैनेडियम और कोबाल्ट के मिश्रण की तुलना करने वाला यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है। शोधकर्ताओं ने बताया कि महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने प्रयोगशाला श्तर पर सामग्री विकास से आगे बढ़कर लचीले सुपरकैपेसिटर का एक कार्यशील प्रोटोटाइप बनाया है, जिससे इसकी व्यावहारिक व्यवहार्यता का प्रदर्शन होता है।

उन्होंने कहा कि हालांकि इसके तात्कालिक अनुप्रयोगों में स्वास्थ्य निगरानी उपकरण, एलओटी गैजेट और रोबोटिक्स शामिल हैं, लेकिन इस नवाचार में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए भी संभावनाएं हैं।

अस्पताल में आग ने ले ली 7 मरीजों की जान, सिस्टम पर सवाल

✷ वेबवार्ता. शिलांग ✷

राजस्थान प्रदेश की राजधानी जयपुर में स्थित सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में देर रात आईसीयू वार्ड में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बड़ी घटना सामने आई है। इस हादसे में 7 मरीजों की मौत हो गई है, जबकि कई गंभीर मरीजों को सुरक्षित निकाला गया। मौके पर मौजूद डॉक्टरों, नर्सों और दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में रविवार देर रात सवाई मान सिंह अस्पताल में बड़ा हादसा हो गया। अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस हादसे में सात मरीजों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तुरंत अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। हादसे को लेकर जो परिजनों ने बताया वो हैरान कर देने वाला है। अस्पताल के आईसीयू से निकलता धुआं, बेडों पर बिखरा मेडिकल उपकरण और बाहर इंतजार करते परिजनों के आंसू आग के बाद का मंजर बेहद विचलित करने वाला था। तस्वीरों में अस्पताल के बाहर मातम और दर्द का माहौल साफ देखा जा सकता है।

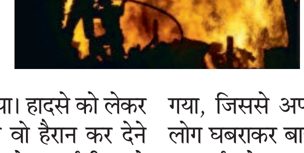

पूरन सिंह जो एक मरीज के रिश्तेदार हैं, उन्होंने बताया कि जब चिंगारी निकली तो उसके पास ही सिलेंडर रखा हुआ था। धुआं पूरे आईसीयू में फैल गया, जिससे अफरातफरी मच गई और लोग घबराकर बाहर भागने लगे।

कई लोग अपने मरीजों को बचा ले गए, लेकिन मेरा मरीज कमरे में अकेला छूट गया। जैसे-जैसे गैस और फैली, उन्होंने गेट बंद कर दिए। ट्रॉमा सेंटर इंचार्ज डॉ. अनुराग धाकड़ ने जानकारी दी कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी प्रतीत होती है। आईसीयू में भर्ती ज्यादातर मरीज पहले से ही बहुत गंभीर स्थिति में थे और कई कोमा में थे। उनके सर्वाइवल रिफ्लेक्स कमजोर थे, इसलिए उन्हें तुरंत शिफ्ट करना मुश्किल रहा। आग से निकलने वाले टॉक्सिक गैसों के कारण मरीजों की हालत और बिगड़ गई। हमने उन्हें निचले फ्लोर के आईसीयू में शिफ्ट करने की कोशिश की, लेकिन छह मरीजों को बचाया नहीं जा सका।

हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद सवाई मान सिंह अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ राजस्थान सरकार के मंत्री जवाहर सिंह बेधम भी मौजूद थे। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री को सूचना मिली कि ICU में शॉर्ट सर्किट से आग लगी है।

अदालत में विचाराधीन मामलों की फाइल अपडेट करें : जीडीए उपाध्यक्ष

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। जीडीए के विचाराधीन मामलों की सभी फाइल अपडेट हो रही है। इसको लेकर सोमवार को जीडीए उपाध्यक्ष ने बैठक कर विधि अनुभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी वादों की तिथि पर उनकी सही से पैरवी करने को कहा है। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा कि आगामी महीनों में जिन वादों की पैरवी प्राधिकरण को करनी है। उनकी फाइले अपडेट की जाए। साथ ही अन्य विचारधीन मामलों की फाइल भी अपडेट की जाए, ताकि इन वादों की जब पैरवी करनी हो, तो उसे बेहतर तरीके से किया जा सके। जीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि विधि अनुभाग अपनी सभी फाइलों को अपडेट करे। साथ ही इन्हें कंप्यूटर पर अपलोड भी करे, ताकि न्यायालयों में विचाराधीन मामलों की पैरवी बेहतर तरीके से की जा सके। दरअसल, अभी तक प्राधिकरण के कर्मचारी अदालतों में विचाराधीन मामलों को लेकर लापरवाही बरतते हैं। एक पटल से दूसरे पटल व एक अनुभाग से दूसरे अनुभाग का मामला बताकर जिम्मेदारी से बचते हैं, जिस कारण सक्षम अदालतों से प्राधिकरण के खिलाफ आदेश हो जाते हैं।

यूट्यूबर मनी मेराज पटना से गिरफ्तार, महिला ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। गाजियाबाद की खोड़ा पुलिस ने सोशल मीडिया पर मशहूर यूट्यूबर और भोजपुरी एक्टर मनी मेराज को बिहार की राजधानी पटना से गिरफ्तार किया है। उस पर एक महिला यूट्यूबर ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, जबरन धर्म परिवर्तन, गर्भपात और आर्थिक धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर गाजियाबाद लाई है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने मनी मेराज की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। मनी मेराज का असली नाम मोहम्मद मेराज बताया जा रहा है। मनी मेराज यूट्यूब पर कॉमेडी वीडियो बनाकर लोकप्रिय हुआ। उसकी करोड़ों में फैन फॉलोइंग है और वह कई भोजपुरी फिल्मों में अभिनय कर चुका है। खोड़ा क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित महिला यूट्यूबर ने 18 सितंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने आरोप लगाया कि मनी मेराज ने अपनी असली पहचान छिपाकर उससे दोश्ती की और फिर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर दुष्कर्म किया।

डीएम कार्यालय पर किसानों का धरना

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। किसानों और जीडीए प्रशासन के बीच चल रही वार्ता अब ठप पड़ गई है, जिससे किसानों में गहरा आक्रोश है। किसानों ने सोमवार को डीएम कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया और जीडीए हाय हाय के नारे लगाए। किसान संघर्ष समिति का धरना पिछले पांच महीनों से वेव सिटी में जारी था, जिसे पुलिस बल की मदद से हटा दिया गया था। इसके बाद नाराज़ किसानों ने जीडीए कार्यालय का घेराव किया था। दरअसल, 2014 में किसानों और वेव सिटी बिल्डर के बीच जीडीए की मध्यस्थता में एक समझौता हुआ था। इसी समझौते को लागू करवाने की मांग को लेकर किसान संघर्ष समिति लगातार आंदोलनरत है। किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष अनुज चौधरी का आरोप है कि समिति और जीडीए वीसी के बीच चल रही वार्ता को लेकर 26 सितंबर 2025 की तारीख तय हुई थी, लेकिन अचानक जीडीए सचिव ने पत्र जारी कर बैठक को निरश्त कर दिया। इस फैसले से किसानों में भारी असंतोष फैल गया है। किसान नेताओं का कहना है कि यह कदम किसानों के साथ विश्वासघात है। उन्होंने डीएम से मांग की है कि जीडीए वीसी की मध्यस्थता में वार्ता को दोबारा शुरू कराया जाए ताकि 2014 का समझौता पूरी तरह लागू हो सके।

सेल्समैन ने की व्यक्ति की हत्या :शराब की दुकान पर मोबाइल गुम होने को लेकर हुआ था झगड़ा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। गाजियाबाद के नंदग्राम थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के शराब की दुकान के बाहर सेल्समैन राम शंकर और चंद्रपाल के बीच मोबाइल गुम हो जाने को लेकर झगड़ा हुआ। जिसके बाद आरोपी रामशंकर (35) ने चंद्रपाल उर्फ बनवारी (40) को पत्थर से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नंदग्राम एसीपी उपासना पांडेय ने बताया कि मृतक चंद्रपाल नूरनगर में अपने भाई, भाभी और भतीजों के साथ रह रहा था और अविवाहित था। दोनों भाई मूल रूप से थाना दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर के रहने वाले हैं।

अगले मानसून के लिए नगर निगम ने अभी से बनाया तगड़ा प्लान

गुरुग्राम नहीं होगा पानी-पानी!

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) ने अगले साल मानसून के दौरान शहर को जलभराव की भयानक समस्या से पूरी तरह मुक्त करने के लिए अभी से युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए निगम ने निजी सलाहकारों की मदद से शहर के 153 जलभराव वाले बिंदुओं को चिह्नित किया है।

निगम अधिकारियों ने दावा किया है कि इस बार केवल कागजी कार्रवाई नहीं होगी, बल्कि वैज्ञानिक सलाह के आधार पर जमीनी स्तर पर ठोस काम किया जा रहा है। निगम का लक्ष्य है कि मानसून 2026 के आगमन से पहले, अप्रैल 2026 तक इन सभी हॉटस्पॉट पर काम पूरा कर लिया जाए, ताकि अगले साल शहर में जलभराव न हो और गुरुग्राम की छवि सुधरे। इस बार जल निकासी और जल संरक्षण दोनों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान से गुरुग्राम के लाखों नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा और उन्हें कई सीधी सुविधाएं मिलेंगी। जलभराव नहीं होने से सड़कों और अंडरपासों पर जलभराव समाप्त होने से यातायात बाधित नहीं होगा, जिससे ऑफिस जाने वाले लोगों और स्कूली बच्चों को सबसे बड़ी राहत मिलेगी और समय बचेगा। जलभराव के दौरान सड़कों के गड्ढे छिप जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। स्थायी समाधान से हादसों में कमी आएगी और सड़कें सुरक्षित होंगी। जलभराव के कारण मच्छरों और गंदगी से फैलने वाली बीमारियों (जैसे डेंगू और मलेरिया) की आशंका कम होगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य बेहतर होगा।

निचले इलाकों और सोसाइटियों में पानी घुसने की समस्या खत्म होगी, जिससे घरों और संपत्ति को होने वाले नुकसान से बचाव होगा। रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और तालाबों के जीर्णोद्धार से वर्षा जल का संग्रहण हो सकेगा, जिससे भूजल स्तर में सुधार होगा और शहर को पानी की कमी से भी निपटने में मदद मिलेगी। यह पहल न केवल शहर की बुनियादी ढांचागत समस्याओं को हल करेगी, बल्कि गुरुग्राम को एक स्मार्ट और सुरक्षित शहर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। अब देखना यह है कि निगम अपने मिशन अप्रैल 2026 के लक्ष्य को कितनी सटीकता से पूरा कर पाता है।

इन स्थानों पर मानसून के दौरान होती है समस्या

मानसून के दौरान ओल्ड गुरुग्राम में खांडसा गांव, सेक्टर नौ, नौ ए, सेक्टर दस, शीतला कॉलोनी, सेक्टर चार, पालम विहार, शीतला माता रोड, रेलवे रोड आदि स्थानों पर जलभराव की समस्या होती है। वहीं, न्यू गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-56, सेक्टर-40, सेक्टर-46, सेक्टर-31, और एसपीआर (साउथ पेरिफेरल रोड) पर जलभराव होता है। इनके अलावे सुभाष चौक, होंडा चौक अंडरपास, वाटिका चौक, एक्सटेंशन रोड, और पुराना गुड़गांव रेलवे स्टेशन के आसपास का क्षेत्र भी जलभराव से प्रभावित होता है। जलभराव वाली जगहों पर निगम की तरफ से बरसाती नाले बनाने का काम शुरू किया गया है। इसी क्रम में, सेक्टर-40 में लॉ कॉलेज के सामने एक नया बरसाती नाला बनाया जाएगा, जो जल निकासी को सुगम बनाएगा। यह नाले जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी को तेजी से बाहर निकालने में मदद करेंगे। निगम ने तालाबों का जीर्णोद्धार करने और मॉडल रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

हरियाणा कांग्रेस में हुड्डा और राव नरेंद्र को मिला पहला चैलेंज

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा कांग्रेस में भूपिंदर सिंह हुड्डा को नेता विपक्ष बनाया गया है। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उनके ही करीबी राव नरेंद्र सिंह को जिम्मेदारी मिली है। इसके बाद भी पार्टी में उनकी पकड़ कमजोर ही दिख रही है। वजह यह है कि पूर्व सांसद और पार्टी नेता बृजेंद्र सिंह ने सद्भाव यात्रा की शुरुआत की है। उन्होंने जींद जिले के दनोडा गांव से यात्रा की शुरुआत की। इसमें राजस्थान से पार्टी सांसद राहुल कस्वां मौजूद थे तो वहीं बृजेंद्र के पिता और पूर्व मंत्री बिजेंद्र सिंह भी थे। इस कार्यक्रम में कई स्थानीय कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी रही तो कैथल से विधायक आदित्य सुरजेवाला भी पहुंचे।

दिलचस्प बात यह है कि इस आयोजन में पहुंचने वाले नेताओं से ज्यादा चर्चा दूरी बनाने वालों की रही। इनमें नेता विपक्ष भूपिंदर सिंह हुड्डा शामिल हैं और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह भी अलग रहे। इसके चलते यह भी कयास लग रहे हैं कि क्या यह भूपिंदर सिंह हुड्डा खेमे को नेता विपक्ष और अध्यक्ष पद पर ताजपेशी के बाद मिली पहली चुनौती है। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने तो इस यात्रा को पार्टी से अलग बताया है और कहा कि यह बृजेंद्र सिंह की निजी यात्रा है। ऐसे लोगों में हिसार से सांसद जय प्रकाश भी शामिल हैं। कांग्रेस की विदेश मामलों की समिति के वाइस चेयरमैन बृजेंद्र सिंह का कहना है कि उनकी यात्रा सद्भाव के लिए है।

उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि राज्य में सभी वर्गों के बीच सद्भाव बना रहे। इसीलिए यह यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए समाज का बंटवारा किया है।

महज 4 घंटे की नवजात को लेकर कोतवाली पहुंच गई दादी, पुलिस भी रह गई दंग

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जन्म के महज 4 घंटे बाद एक नवजात को लेकर उसकी दादी थाने पहुंच गई। पुलिस वालों को जब वजह पता चली तो वे भी दंग रह गए। पुलिस ने नवजात को उसकी मां के पास पहुंचा दिया। मायके और ससुराल वालों के बीच विवाद के चलते अस्पताल में जन्मी नवजात बच्ची को चार घंटे के बाद ही कोतवाली लेकर पहुंचना पड़ गया। दोनों पक्षों में आरोप-प्रत्यारोप के बीच पुलिस ने नवजात को उसकी मां के पास पहुंचा दिया। दनकौर निवासी एक युवती की शादी एक साल पहले खरखौदा के युवक से हुई थी। युवक राजस्थान के किशनगढ़ के एक बैंक में प्रबंधक के पद पर कार्यरत है। शादी के बाद से महिला पति के साथ राजस्थान में रह रही थी। चार माह पूर्व ताऊ की मौत के बाद गर्भवती महिला अपने मायके में रह रही थी। रविवार को महिला ने दनकौर के एक निजी अस्पताल में लड़की को जन्म दिया। मायके वाले और ससुराल वालों में संबंधों की खटास के कारण मायके वालों ने नवजात बच्ची को रखने से इनकार कर दिया। मायके वालों ने महिला के पति और उसकी मां को बुलाकर नवजात बच्ची उन्हें सौंप दी। चार घंटे बाद ही नवजात को लेकर उसकी दादी दनकौर कोतवाली पहुंची और पुलिस से मामले की शिकायत की। शिकायत मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात बच्ची को उसकी मां के पास पहुंचा दिया। पुलिस ने बताया कि नवजात बच्ची को उसकी मां भी रखने से इनकार कर रही है। समझा बुझाकर कन्या को उसकी मां के पास पहुंचा दिया गया है। दोनों पक्षों में आरोप-प्रत्यारोप जारी है।

बिहार में मैथिली ठाकुर को लड़ाने की तैयारी में बीजेपी?

नित्यानंद राय से मिलीं गायिका

पटना, एजेंसी। बिहार की लोकप्रिय लोक गायिका मैथिली ठाकुर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से विधानसभा का चुनाव लड़ सकती हैं। बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय से उनकी मुलाकात की फोटो और उसके साथ तावड़े के बयान ने इन अटकलों को तेज कर दिया है। मधुबनी जिले के बेनीपट्टी की रहने वाली मैथिली ठाकुर इसी साल जुलाई में 25 साल की हो गई हैं और चुनाव लड़ सकती हैं। 2011 में महज 11 साल की रहीं मैथिली जीटीवी के कार्यक्रम सारेगामापा लिटिल चैंप्स से गीत-संगीत के मैदान में छाईं और तब से लगातार फिल्म, भजन व लोक गीतों को गा रही हैं। चुनाव आयोग ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मैथिली ठाकुर को विनोद तावड़े के ट्वीट से उनके चुनाव लड़ने का संकेत मिल रहा है। मुलाकात की फोटो के साथ तावड़े ने लिखा- वर्ष 1995 में बिहार में लालू राज आने पर जो परिवार बिहार छोड़कर चले गए, उस परिवार की बिटिया सुप्रसिद्ध गायिका मैथिली ठाकुर बदलते बिहार की रफ्तार को देखकर फिर से बिहार आना चाहती हैं। आज गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय और मैंने उनसे आग्रह किया कि बिहार की जनता के लिए और बिहार के विकास के लिए उनका योगदान बिहार का सामान्य आदमी अपेक्षित करता है और वे उनकी अपेक्षाओं को पूरा करें। बिहार की बिटिया मैथिली ठाकुर जी को अनंत शुभकामनाएँ! मैथिली को अगर भाजपा चुनाव लड़ाती है तो वो सीट कौन सी होगी, इसको लेकर भी अटकलों का दौर शुरू है। चूंकि मैथिली बेनीपट्टी की रहने वाली हैं तो यह स्वाभाविक चर्चा में है। बेनीपट्टी से भाजपा के पुराने नेता विनोद नारायण झा मौजूदा विधायक हैं, जिनकी उम्र 68 साल है। 1977 के जेपी आंदोलन से राजनीति में आए विनोद नारायण झा की उम्र तो गई है।

सिंगर जुबिन की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट नहीं करेंगे सार्वजनिक

गुवाहाटी, एजेंसी।
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि दिवंगत सिंगर जुबिन गर्ग की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी क्योंकि इससे अदालती कार्यवाही में बाधा आ सकती है, लेकिन रिपोर्ट देखने में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति इसे पढ़ने के लिए पूर्व अनुमति के साथ अपराध जांच विभाग (सीआईडी) कार्यालय जा सकता है। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि जुबिन गर्ग के अंतिम समय में सिंगापुर में नौका पर उनके साथ मौजूद लोगों की वापसी पूरी तरह से उन पर निर्भर करेगी, लेकिन यदि वे छह अक्टूबर की समय सीमा के भीतर एसआईटी जांच के लिए नहीं आते हैं तो सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सरमा ने कोकराझार में एक कार्यक्रम से इतर कहा, ''उनकी वापसी पूरी तरह से उन पर निर्भर करेगी। असम सरकार उन्हें सिंगापुर से वापस नहीं ला सकती, लेकिन हम उनके माता-पिता से बात कर

सकते हैं ताकि वे उन्हें जांच के लिए वापस आने को कह सकें।'' उन्होंने कहा कि छह अक्टूबर की समय सीमा उन सभी लोगों के लिए पहले ही तय कर दी गई है जो जुबिन के अंतिम क्षणों में सिंगापुर में थे, जहां समुद्र में तैरते समय उनकी मौत हो गई थी। सरमा ने कहा, ''यदि वे सोमवार तक वापस नहीं आते हैं, तो हमें कड़े कदम उठाने होंगे। हमें उन्हें एक विशेष प्रक्रिया के जरिये वापस लाना होगा।'' मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि जब तक नौका में गायक के साथ मौजूद लोग जांच एजेंसी के समक्ष अपना बयान दर्ज नहीं कराते, तब तक जांच पूरी नहीं हो सकती।

इस बीच, एक चिकित्सक ने लतासिल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है जिसमें गर्ग की मौत में 'असम एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर' के 11 सदस्यों की संलिप्तता का आरोप लगाया गया है। पुलिस शिकायत की जांच कर रही है। गायक की मौत की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 'असम एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर' के 11 सदस्यों में से आठ को छह अक्टूबर तक पेश होने के लिए पहले ही समन जारी कर दिया है। तन्मय फुकन, अभिमन्यु तालुकदार, देबज्योति हजारिका, रूपकमल कलिता, भास्कर दत्ता, सिद्धार्थ बोरा, परीक्षित शर्मा और वाजेद अहमद को समन जारी किया गया है।

...तो भाजपा विधायक बने रहने का कोई मतलब नहीं, मणिपुर में भड़क रहे हैं नेता

इम्फाल , एजेंसी। मणिपुर के भाजपा विधायक टी. श्यामकुमार ने रविवार को कहा कि अगर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें मिलने का समय देने में विफल रहता है, तो वह विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बारे में सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत और विधायक के. जॉयकिशन, बसंत कुमार, करम श्याम, युमनाम खेमचंद, उशम देबेन, ख इबोम्चा और नूरुल हसन सहित मणिपुर के कम से कम नौ विधायक रविवार को अलग-अलग उड़ानों से दिल्ली के लिए रवाना हुए। नई दिल्ली रवाना होने से पहले इंफाल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए एंड्रो निर्वाचन क्षेत्र के विधायक ने कहा, अगर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व हमें मिलने का समय नहीं देता है, तो भाजपा विधायक बने रहने का कोई मतलब नहीं है और इस्तीफा देना होगा। श्यामकुमार ने कहा, यदि केंद्रीय नेता मणिपुर में लोकप्रिय सरकार बनाने पर सहमत नहीं होते हैं, तो हमें अन्य विकल्पों पर विचार करना होगा। भाजपा विधायक ख इबोम्चा ने कहा, सभी तीस भाजपा विधायक जा रहे हैं और हर बात पर चर्चा करेंगे।

हिमाचल भाजपा कार्यसमिति सदस्यों का ऐलान, कांग्रेस से आए नेताओं को मिली जगह

शिमला, एजेंसी।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने 129 सदस्यों की प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा कर दी है। इसमें स्थायी आमंत्रित सदस्य 24 और कार्य समिति सदस्य 105 हैं। खास बात ये है कि कार्यसमिति सदस्यों में कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं को भी जगह मिली है। इनमें धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा, बड़सर से विधायक इंद्रदत्त लखनपाल, गगरेट से पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा, कुटलैहड़ से पूर्व विधायक देवेंद्र भुट्टो, लाहौल स्पीति से पूर्व विधायक रवि ठाकुर शामिल हैं।

इनके अलावा रजत ठाकुर, धनेश्वरी ठाकुर, वीरेन्द्र चौधरी, जय सिंह, रणवीर सिंह, आशुतोष वैद्य, विजय परमार, संजय गुलेरिया, नरोतम ठाकुर, नारायण सिंह, अजय श्याम, रवि मेहता, कौल नेगी, शशिबाला, मीरा आनंद, परमजीत मनकोटिया, वंदना गुलेरिया, नीलम सरैक, नीना शर्मा, नरेश खापड़ा, प्रताप सिंह तोमर, बलवीर ठाकुर, रोनकी राम शर्मा, बलदेव भंडारी, सुरेन्द्र हिन्दुस्तानी, देशराज शर्मा, विजय बहल, हरीश शर्मा, प्रवेश चंदेल, जगजीत सिंह मनकोटिया, डॉ. रामपाल सैणी, हरदयाल सिंह चंदेल भी कार्यसमिति सदस्यों में शामिल हैं। साथ ही बलवीर बग्गा, ओ.पी. गांधी, गुलजारी लाल, पिताम्बर ठाकुर, धर्मपाल ठाकुर, राज सिंह ठाकुर, आदित्य विक्रम सेन, प्रदीप शर्मा, बृजलाल ठाकुर, दौलत राम ठाकुर, कमल नयन, इंदू वर्मा, संजीव शर्मा, राजेन्द्र ठाकुर, मोहम्मद राजबली, अनिल ढकोग, ओमप्रकाश चौधरी, विनय चौधरी, बिलाल अहमद, रमेश राणा, ब्रिगेडियर कुशाल चंद, सरदार बलजीत सिंह नागरा, राहुल सोलंकी को जगह दी गई।

स्थायी आमंत्रित सदस्य : राजीव बिन्दल ने बताया कि स्थायी आमंत्रित सदस्य में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल, शांता कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चंदेल, सुरेश भारद्वाज, महेश्वर सिंह, सतपाल सिंह सत्ती, सुरेश कश्यप, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, सांसद कंगना रणौत, इंदू गोस्वामी, हर्ष महाजन, पूर्व सांसद वीरेन्द्र कश्यप, पूर्व मंत्री महेन्द्र सिंह ठाकुर, अनिल शर्मा, रविन्द्र सिंह रवि, सरवीण चौधरी, गोविन्द ठाकुर, सुखराम चौधरी, बिक्रम ठाकुर, पूर्व डिप्टी स्पीकर हंसराज, पूर्व मंत्री डॉ. राजीव सैजल और राजेन्द्र गर्ग है। इसी प्रकार कार्यसमिति सदस्यों में विधायक सुधीर शर्मा, इंद्रदत्त लखनपाल, जेआर कटवाल, इंद्र सिंह गांधी, सुरेन्द्र शौरी, रीना कश्यप, प्रकाश राणा, डॉ. जनक राज, रणवीर सिंह निक्का, लोकेन्द्र कुमार, दीपराज कपूर, पूर्ण चंद ठाकुर, दलीप ठाकुर, विजय मनकोटिया, विनोद चंदेल, विक्रम जरयाल, गोविन्द शर्मा, केएल ठाकुर, बलवीर चौधरी, विजय अग्निहोत्री, रीता धीमान, मुलखराज प्रेमी, रविन्द्र धीमान, लखविंदर राणा, अरूण मेहरा, डॉ. अनिल धीमान, कमलेश कुमारी, परमजीत सिंह पम्मी, विशाल नैहरिया, संजय सूद, देवेन्द्र भूट्टो, चैतन्य शर्मा, होशियार सिंह, रवि ठाकुर, विशाल चौहान, चेतन बरागटा शामिल हैं।

बाइक सवार ने डंडे से हमला किया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। साहिबाबाद थाना क्षेत्र में बस चालक और बाइक सवार के झगड़े में बीचबचाव करना एक युवक को भारी पड़ गया। बाइक सवार ने युवक पर डंडे से हमला कर दिया। हमले में युवक घायल हो गया। युवक ने पुलिस से घटना की शिकायत की है। राजेंद्र नगर सेक्टर पांच में रहने वाले पीएल वर्मा के अनुसार, वह चार अक्तूबर को शाम लगभग छह बजे बस से अपने घर आ रहे थे। इस दौरान साहिबाबाद में बाइक सवार से गाली देने को लेकर बस चालक का झगड़ा हो गया। उन्होंने दोनों में बीचबचाव करा दिया। इसके बाद बाइक सवार ने उसे भुगत लेने की धमकी दी और बस के साथ ही चलता रहा। जैसे ही वह बस से उतरे, बाइक सवार ने डंडे से हमला कर दिया। बाइक सवार ने अपना नाम आदित्य बंसल निवासी साहिबाबाद बताया।

चोरी की बाइक के साथ बदमाश गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी की गई बाइक बरामद हुई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के साथी को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि पुलिस द्वारा सूचना के आधार पर आकाश निवासी सेक्टर-24 गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी नरेंद्र कुमार मांझी और आलोक के साथ मिलकर वाहन चोरी करता है। उसके साथी नरेंद्र कुमार मांझी को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। नरेंद्र से पुलिस ने चोरी की छह बाइक बरामद की थीं। बरामद बाइक के बारे में आरोपी ने बताया कि यह उसने एक साल पहले हरिद्वार से चोरी की थी। एसीपी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ गाजियाबाद और हरिद्वार में चोरी आदि के तीन केस दर्ज मिले हैं।

गांजा तस्करी में महिला गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। वेव सिटी पुलिस ने चेकिंग के दौरान गांजा तस्करी करने वाली महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला के कब्जे से पुलिस ने चार किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि महिला के नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों को भी ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस ने श्रीराम कॉलोनी लालकुआं निवासी रागिनी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी रागिनी ने बताया कि वह दिल्ली से चोरी-छिपे गांजा लाती है और यहां उसकी छोटी-छोटी पुडिया बनाकर सप्लाई करती है। गांजा तस्करी से होने वाली मोटी कमाई से वह अपने खर्चे पूरा करती है।

इनवर्टर की बैटरी चुरा रहे बदमाश को पकड़ा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े मकान से इनवर्टर की बैटरी चुरा कर ले जा रहे चोर को गृह स्वामी ने लोगों की सहायता से पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बेहटा हाजीपुर के फार्म हाउस के पास रहने वाले अभिलाख सिंह शनिवार दोपहर मकान की दूसरी मंजिल के कमरे में सो रहे थे। उन्होंने बताया कि करीब चार बजे नीचे वाले कमरे से खटपट की आवाज आने पर उनकी आंख खुल गई। नीचे आने पर उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति इनवर्टर की बैटरी को चुराकर ले जा रहा था। उन्होंने शोर मचा कर आस पास के लोगों को एकत्र किया। उन्होंने लोगों की सहायता से चोर को पकड़ लिया। उसके कब्जे से उनके घर से चुराई गई इनवर्टर का बैटरी बरामद हुई। उन्होंने अपने साथी रॉबिन की मदद से चोर को पुलिस को सौंप दिया। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि शिकायत पर चोर महेश उर्फ कालू निवासी कुम्हार कालोनी निवासी थाना लोनी बॉर्डर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जिलाधिकारी ने लोगों की समस्याएं सुनी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। गाजियाबाद, 06 अक्टूबर (वेब वार्ता)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान नगर निगम, पुलिस , जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग की शिकायत आई। जिलाधिकारी ने लोगों की शिकायत सुनकर उनका समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निश्तारण के लिए स्थलीय निरीक्षण किया जाए।

आंधी में उखड़ा पेड़ रोडवेज बस पर गिरा, बिजली के खम्भे भी गिरे

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। धामपुर से बिजनौर जा रही रोडवेज बस पर सोमवार को आंधी का कहर भारी पड़ गया। तेज हवा के चलते कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए और सड़क पर गिर गए। धामपुर डिपो की बस के ऊपर भी एक विशाल पेड़ गिर गया।'यह दिल बहलाने वाली घटना हर्रा गांव के पास घटित हुई बताया जाता है कि बस हरा गांव के पास थी, तभी अचानक पेड़ बस पर गिरा। बस में सवार यात्रियों की सांसें थम गईं। बाल-बाल बच गए, और बड़ा हादसा होते-होते टल गया। इतना ही नहीं, दर्जनों विद्युत खंभे भी उखड़कर सड़क पर गिर गए। नतीजा इलाके में बिजली आपूर्ति ठप और धामपुर-नहटौर मार्ग पर भीषण जाम। पिछले तीन घंटे से वाहन जाम में फंसे हैं, यात्रियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

तेज हवा में हाई टेंशन लाइन का खंबा ट्रक पर गिरा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। मंडावर मार्ग पर ग्राम जमदरपुर के निकट तेज हवा के कारण तेज हाई टेंशन बिजली की लाइन का खंबा ट्रक पर जा गिरा।गनी मत रही कि तेज हवा के चलते बिजली भाग चुकी थी। बताते चलें कि सोमवार की शाम अचानक बदले मौसम ने तेज हवा के साथ-साथ बारिश की बोकारो ने ठंड बढा दी। जिस कारण सड़क किनारे खड़े पेड़ तथा विद्युत लाइन के खम्भे भी धराशाई हो गए। जिससे यातायात काफी समय तक बाधित रहा। यातायात को सुचारु करने के लिए पुलिस एवं वन विभाग को कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा।

वाहन चोर गिरोह के सरगना समेत 3 गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लिंक रोड और साहिबाबाद थाना पुलिस ने संयुक्त मुठभेड़ के बाद अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के सरगना समेत बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके तीसरे साथी को भी पकड़ा है। सरगना गोली लगने से घायल हो गया। इनसे असलहा और तीन कार मिली हैं। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में चोरी की दो कारों को छिपाने की सूचना पुलिस को मिली थी।

सोमवार तड़के पुलिस ने सूर्य नगर रेलवे पुल के पास जांच शुरू की, तभी दो कार एक साथ आती हुई दिखीं। रुकने का इशारा करने पर चालकों ने बैरियर में टक्कर मारकर कार दौड़ा दी। पीछा करने पर गोली चलाई। करीब छह किलोमीटर पीछा करने के बाद कड़कड़ मॉडल में एक बदमाश ने कार से उतरकर फायरिंग शुरू कर दी और जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया।

एसपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि घायल ने अपना नाम अनिल कुमार पुत्र चंद्रपाल सिंह निवासी जवां, अलीगढ़ बताया। उसके साथी अनिल उर्फ मेहाराज पुत्र रामपाल निवासी नॉर्थ वेस्ट दिल्ली को दबोचा। कुछ देर बाद पुलिस ने अनिल भूषण पुत्र मेहरचंद निवासी फरीदाबाद को भी चोरी की कार के साथ गिरफ्तार कर लिया।

नंबर बदलकर बेचते थे नई कारें एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि बदमाश चोरी की कारें फर्जी नंबर प्लेट लगाने के साथ ही इंजन और चेसिस नंबर टेंपर्ड करते हैं। उनका साथी बलजीत फर्जी कागजात बनाकर ग्राहकों को बेच देता है। ज्यादा पुरानी कार कबाड़ी के पास ले जाकर कटवा देते हैं।

बदमाशों ने बताया कि मारुति कंपनी की कारें उनके निशाने पर रहती थीं, क्योंकि उनका लॉक आसानी से खुल जाता है। स्विफ्ट कार 12 दिन पहले दिल्ली और लाल रंग की ब्रेजा को फरीदाबाद से एक सप्ताह पहले चोरी किया था। 10-11 दिन पहले सूर्यनगर क्षेत्र से उन्होंने ऑल्टो कार चोरी की थी, जिसे कबाड़ी के पास ले जाकर कटवा दिया था। बरामद आई-10 कार 12 दिन पहले वंसतकुंज, दिल्ली से चोरी की थी। स्विफ्ट कार जलेसर रोड, फिरोजाबाद से चोरी की थी। इसे भी काले नाम के कबाड़ी को 45 हजार रुपये में बेच दिया था।

गिरोह के सरगना पर 73 मुकदमे दर्ज सीओ ने बताया कि अनिल गिरोह का सरगना है। अनिल साल 2008 में शराब की तस्करी करता था। वर्ष 2010 में जेल में उसकी मुलाकात शातिर वाहन चोर जाकिर से हुई। इसके बाद वह जाकिर के लिए वाहन चुराने लगा। बीते 10 साल में वह 150 से ज्यादा कार चोरी कर चुका है।

अनिल के खिलाफ महज 36 साल की उम्र में ही अलीगढ़, दिल्ली, हरियाणा में वाहन चोरी, शस्त्र अधिनियम, गैंगस्टर, शराब तस्करी और एनडीपीएस एक्ट के 73 मुकदमे दर्ज हैं। अगशत में जेल से बाहर आया था अनिल फरीदाबाद जेल में अनिल भूषण और दिल्ली जेल में अनिल उर्फ मेहराज से मिला था।

इनके साथ उसने दो साल पहले अलग गैंग बनाया था। वह अगशत में ही जेल से छूटकर आया था। अनिल उर्फ मेहराज के खिलाफ 13 और अनिल भूषण के खिलाफ विभिन्न थानों में वाहन चोरी के छह मुकदमे दर्ज हैं। गिरोह का सारा काम योजनाबद्ध तरीके से होता था।

कारों को चिह्नित करके चोरी करना, कारों को सुरक्षित स्थान पर छुपाना और कारों की स्थिति के आधार पर नंबर बदलकर बेचना या कबाड़ में कटवाना। इन कामों को गिरोह के सदस्यों ने आपस में बांट रखा था। इस गिरोह के पीछे दिल्ली व हरियाणा पुलिस के साथ एसटीएफ भी लगी थी।

हत्या के मामले में पूर्व पार्षद समेत दो को उम्रकैद

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

अदालत ने 21 वर्ष पहले बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव के भाई की

हत्या के मामले में सोमवार को पूर्व पार्षद समेत दो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

दोनों पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। दोनों को चार अक्तूबर को कोर्ट ने दोषी करार दिया था। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता नवीन त्यागी ने बताया कि अशोक नगर निवासी नरेश यादव और उनका भतीजा जितेंद्र यादव 14 नवंबर 2004 को रामनगर स्थित दफ्तर पर बैठे थे। वहां हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। गोली लगने से नरेश यादव की मौत हो गई थी। मृतक के भाई विजयपाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस जांच में पूर्व पार्षद मनीष पंडित उर्फ पप्पू और उसके साथी मनोज फौजी का नाम सामने आया था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। 4 अक्तूबर को मामले की सुनवाई एडीजे 12 कोर्ट जज जुनैद मुजफ्फर की कोर्ट में हुई। कोर्ट ने पूर्व पार्षद मनीष पंडित उर्फ पप्पू और मनोज फौजी को दोषी करार दिया। इसके बाद कोर्ट ने सजा के प्रश्न पर छह अक्तूबर की तारीख नियत की थी। सोमवार को अदालत में इस मामले में अंतिम सुनवाई हुई। हत्या करने के मामले में पूर्व पार्षद समेत दोनों को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

कुत्ते के काटने की शिकायत पर पहुंचे सिपाही से मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में कुत्ते के काटने की सूचना पर पहुंचे सिपाही के साथ युवती और साथियों ने मारपीट कर दी। सिपाही की वर्दी भी फाड़ दी। सिपाही ने युवती और उसके साथियों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीआरवी 2156 पर तैनात सिपाही शिव सिंह बेनीवाल के अनुसार, चार अक्तूबर की रात सूचना मिली थी कि क्लाउड नाइन के पास युवती को कुत्ते ने काट लिया है। पीड़िता ने ही डायल 112 पर कॉल किया था। मौके पर पता चला कि एक पशु प्रेमी ग्रीन बेल्ट में लावारिस कुत्तों को भोजन खिलाता है।

इस पर सिपाही शिव सिंह ने पीड़िता को चौकी में लिखित शिकायत देने को कहा। आरोप है कि युवती और उसके साथी नशे में थे। उन्होंने पशु प्रेमी को पकड़ने और कुत्तों को हटवाने के लिए कहा। सिपाही ने कहा कि मौके पर कोई पशु प्रेमी नहीं है। आगे की कार्रवाई चौकी और थाना श्तर से होगी। इस बात को लेकर युवती ने साथियों के साथ सिपाही के साथ अभद्रता करना शुरू कर दिया और वर्दी खींचकर मारपीट की। मारपीट में सिपाही की वर्दी भी फट गई और उन्हें चोट भी आई हैं। सिपाही ने घटना की सूचना डायल-112 पर और इंदिरापुरम थाना प्रभारी को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने सिपाही का मेडिकल करवाया।

मामले में शिव सिंह की ओर से युवती और उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। एसपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील का कहना है कि मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों को पुलिस की तरफ से नोटिस दिये गए हैं, नोटिस का जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रुपये मांगने पर कारीगर समेत तीन लोगों से मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में शनिवार को कारखाना मालिक ने सिलाई कारीगर को बकाया पैसे न देकर मारपीट की। पीड़ित ने मामले की सूचना भाई को दी।

आरोप है कि पीड़ित को बचाने पहुंचे दो भाइयों को भी पीटा गया। मामले में पुलिस ने कारखाना मालिक समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की राजीव गार्डन कॉलोनी में रहने वाले गुलजार सिलाई के कारखाने में काम करते हैं। उनके भाई गुलबहार ने बताया कि कारखाना संचालक शाहरुख पर भाई के 17 हजार छह सौ रुपये बकाया थे।

पैसे मांगने पर कारखाना संचालक ने उसे शनिवार शाम कारखाने पर बुलाया। उस समय वहां पर इमरान, इरफान और उनके पिता काले मौजूद थे। आरोप है कि पैसे मांगे जाने पर चारों ने लाठी डंडे से भाई के साथ मारपीट की, जिससे उन्हें काफी चोट आई। भाई ने मामले की सूचना उन्हें दी तो वह छोटे भाई अयान के साथ मौके पर पहुंचे और घटना का विरोध जताया, जिस पर आरोपियों ने दोनों भाइयों के साथ भी मारपीट की।

तीनों ने किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से कर कार्रवाई की मांग की है। सीओ अंकुर विहार ने बताया कि पीड़ित के भाई की शिकायत पर चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गंगा एक्सप्रेस वे और गन्ना मूल्य वृद्धि की मांग ने पकड़ा जोर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक बिजनौर जनपद के समग्र विकास के लिए लंबे समय से

गंगा एक्सप्रेस वे की मांग को उठा रहा है। बिजनौर से होकर जाए गंगा एक्सप्रेस वे के साथ-साथ किसानों ने गन्ना मूल्य वृद्धि की मांग को लेकर एक लाख पोस्टकार्ड माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजने का आवाहन बिजनौर वासियों से किया है।

युवा किसान नेता के आवाहन पर आज मंडावली क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष पुनीत कुमार के साथ सैकड़ों किसान व्यापारी मंडावली पोस्ट ऑफिस पर पोस्ट कार्ड लेने के लिए पहुंचे। पोस्टकार्ड न मिलने से पोस्टकार्ड भेजने वालों में मायूसी है। वही क्षेत्रीय अध्यक्ष पुनीत कुमार ने कहा कि अगर पोस्टकार्ड नहीं मिलते हैं तो हम डाकखाने के सामने धरने पर बैठने का काम करेंगे। आज पोस्ट मास्टर ने डिमांड भेजकर जल्द ही पोस्ट कार्ड मगवाने की बात कही है।

जमीन दिलाने का झांसा देकर गायक से ठगे 50 लाख

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

राजनगर एक्सटेंशन में रहने वाले गायक और उनके मित्र से स्टूडियो के लिए जमीन दिलाने के नाम पर 50 लाख रुपये की ठगी हो गई।

पुलिस कमिश्नर के आदेश पर भोजपुर पुलिस ने 14 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित मनोज वर्मा ने बताया कि वह टी सीरीज कंपनी में गायक हैं। स्टूडियो बनाने के लिए जमीन चाहिए थी।

उनकी मुलाकात भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव रघुनाथपुर किल्हौड़ा निवासी लोगों से हुई। इसके बाद 4090 वर्गगज का सौदा तय हो गया। इसके बाद मुलाकात अपने दोश्त हरिओम पाठक

से कराई और उनके नाम पर ही एग्रीमेंट कराया।

इसी बीच हरिओम पाठक ने 29 लाख रुपये विभिन्न खातों में डाल दिए और 21 लाख रुपये नकद दिए।

आरोप है कि पैसे लेते ही उनके विचार बदलने शुरू हो गए और वह बैनामा करने के लिए आनाकारी करने लगे। 18 सितंबर को आरोपियों ने हरिओम पाठक व मनोज वर्मा को खेत पर बुलाया और जानलेवा हमला कर दिया। किसी तरह बचकर वह वहां से भाग निकले और गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। पुलिस कमिश्नर ने भोजपुर पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए है।

सीओ मोदीनगर ने बताया कि तहरीर के आधार पर कर्मवीर, अशोक कुमार, जगदेव, जगबीर सिंह, रणवीर सिंह, वीरेंद्र कुमार, नवीन कुमार, प्रवीण कुमार, सरोज, काजल निवासी रघुनाथपुर किल्हौड़ा व प्रॉपर्टी डीलर नीटू, बॉबी सैनी, सोनू सैनी निवासी रघुनाथपुर किल्हौड़ा व सर्वेश निवासी गांव बदनौली जिला हापुड़ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

किसान नेता सुजीत चौधरी के आवास पर बाबा टिकैत को किया नमन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव सदरूद्दीननगर स्थित भाकियू जिला उपाध्यक्ष चौधरी सुजीव कुमार के आवास पर किसान हितों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले जनप्रिय किसान नेता भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 90 वीं जयंती किसान जागृती दिवस के रुप मे मनायी गयी।

इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मजदूरों ने बाबा महेंद्र सिंह टिकैत के चित्र पर उन्हे पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। वक्ताओं ने बाबा के बताए राश्ते पर चलने का आह्वान किया।

इस दौरान धर्मपाल सिंह, अर्नव चौधरी, बृजपाल सिंह, अरुन चौधरी, जगत सिंह डबास, आलोक डबास, अशोक सैनी, सुन्दर सिंह, निशू त्यागी, सोनू सैनी, शिवनाथ सिंह, नरेन्द्र सिंह, शीशपाल सिंह, आदेश कुमार, सुमित कुमार, कुलमणी सिंह, मदनपाल सिंह, विकुल कुमार, घनश्याम सिंह, सतपाल सिंह आदि मोजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान : महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

मिशन शक्ति फेस 5.0 अभियान के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, झालू में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में हेड कांस्टेबल शक्ति पावर, महिला कांस्टेबल मीनाक्षी एवं महिला कांस्टेबल इंदु गंगवार सहित एंटी रोमियो टीम थाना हल्दौर, जनपद बिजनौर द्वारा ग्राम ईनामपुरा की महिलाओं व छात्राओं को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने प्रमुख हेल्पलाइन नंबरों — 181, 1090, 112, 102, 108, 1098 और 1930 की जानकारी दी। टीम ने महिलाओं को घरेलू हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने, साइबर अपराधों से बचाव तथा सोशल मीडिया पर होने वाले उत्पीड़न की शिकायत की प्रक्रिया समझाई। साथ ही, साइबर अपराध से संबंधित कानूनी कार्यवाही की जानकारी देते हुए छात्राओं को सतर्क रहने की प्रेरणा दी गई।

अंत में मिशन शक्ति टीम एवं एंटी रोमियो टीम ने उपस्थित महिलाओं और छात्राओं की समस्याएं सुनीं और आवश्यक सुझाव प्रदान किए।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

तहसील क्षेत्र के ग्राम सराय गुढ़ा में एक महिला ने ग्रह क्लेश के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

रविवार की शाम को थाना नजीबाबाद क्षेत्र के गांव सराय गुढ़ा निवासी ज्योति उम्र लगभग 32 वर्ष पत्नी विपिन कुमार ने परिवारिक कलह के चलते आत्म हत्या कर जीवन लीला समाप्त कर ली।

बताया गया कि परिजन जंगल गये हुए थे कि शाम को उक्त महिला ने फांसी

लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा के लिए भेज दिया गया और आगे की कार्यवाही जारी है। सीओ नितेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया महिला पारिवारिक कलह के चलते यह कदम उठाया है और महिला का शव जांच हेतु मोर्चरी भेजा गया है।

रिपोर्ट आने के बाद सही कारणों का पता चल सकेगा। महिला अपने पीछे दो लड़के एवं एक लड़की को रोते बिलखते छोड़ गई है। महिला की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

भाकियू लोकशक्ति का बिजली विभाग नजीबाबाद डिवीजन पर जोरदार प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

बिजली विभाग की मनमानी और समस्याओं से त्रश्त किसानों ने आज भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति (भाकियू लोकशक्ति) के बैनर तले नजीबाबाद डिवीजन कार्यालय पर एक विशाल धरना प्रदर्शन किया।

यह विरोध प्रदर्शन भाकियू लोकशक्ति के जिला अध्यक्ष चौधरी वीर सिंह सहरावत के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें डिवीजन से जुड़े विभिन्न बिजली घरों के सैंकड़ों किसान और उपभोक्ता शामिल हुए।

प्रमुख माँगें और किसानों का रोष: किसानों ने विभाग के सामने अपनी कई महत्वपूर्ण माँगें रखीं, जिसने बिजली उपभोक्ताओं के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को उजागर किया:

कर्मचारी स्थानांतरण: 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र सौफतपुर के सभी लाइनमैन का तुरंत दूसरे बिजली घरों पर स्थानांतरण किया जाए।

जर्जर लाइनों का सुधार: क्षेत्र की जर्जर और पुरानी विद्युत लाइनों को तुरंत ठीक किया जाए ताकि हादसों और बार-बार होने वाली कटौती से बचा जा सके।

बिल संशोधनः उपभोक्ताओं को भेजे गए खराब और त्रुटिपूर्ण बिलों को संशोधित कर सही बिल जारी किए जाएं।

किसानों ने बिजली विभाग के कार्यशैली पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए 'भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति जिंदाबाद' के नारे लगाए।

लिखित आश्वासन पर समाप्त हुआ धरना: किसानों के इस उग्र प्रदर्शन के बाद, स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुँचे। नायब तहसीलदार अमित कुमार, अधिशासी अभियंता और एसडीओ राहुल यादव ने किसानों के बीच पहुंचकर उनकी सभी माँगे सुनीं।

लंबी बातचीत के बाद, अधिकारियों ने किसानों की सभी मांगों को लिखित रूप से स्वीकार किया और उन्हें लिखित आश्वासन दिया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में किसी भी उपभोक्ता या किसान को बिजली विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

इस लिखित गारंटी के बाद, भाकियू लोकशक्ति ने अपना धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

इस प्रदर्शन में राष्ट्रीय महासचिव चौधरी पदम सिंह, महिला जिला अध्यक्ष मोनिका चौधरी सहित अजय पाल, भूपेंद्र, नरेश, प्रीतम, अरुण कुमार, जगन अली, अभिनव, नितिन, अवधेश, सरदार जसवीर सिंह धारीवाल, सरदार जरनैल सिंह, सरदार गुरपेज सिंह, टिकम, फुरकान, कृष्णा, भीम पाल, विनीत राणा, सुलेमान, दिक्षांत चौधरी, बिट्टू, लक्की आदि किसान और उपभोक्ता मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू राष्ट्र सेना युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने बिजनौर पीडब्लूडी अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा

एनसीआर टुडे. बिजनौर। विश्व हिन्दू राष्ट्र सेना युवा मोर्चा बिजनौर के जिला अध्यक्ष डॉ कावेंद्र राज सैनी के नेतृत्व में बिजनौर पी डब्लू डी के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें बताया कि अम्हेड़ा से चान्दपुर वाली रोड पर मनोकामनापूर्ण सिद्धपीठ महालक्ष्मी धाम मोहनपुर माता का जो मन्दिर है वहाँ पर जाने के लिए राश्ता खश्ताहाल व टूटा हुआ है जिसकी दूरी मुख्य मार्ग से 500 मीटर है। हर साल 08 दिसम्बर को माता रानी का जन्मोत्सव मनाया जाता है जिसमें देश विदेश से श्रद्धालु आते हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

संख्या 23AC/393/E-Auction/Pkg/2025 दिनांक: 06.10.2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा पार्किंग लॉटस/साइट्स के आवंटन हेतु ई–नीलामी, IREPS पोर्टल (https://ireps.gov.in/) पर ई–बोली निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है।

ई–कैटलॉग संख्या	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/पार्किंग लॉट
Parking-43-2025	दिनांक 22.10.2025 को 11:00 बजे	गुडगॉव (कार), करनाल (साइकिल–स्कूटर–मोटरसाइकिल–कार), सांपला (द्वितीय प्रवेश) टोहाना = कुल 04 साइटें

वेबसाइट विवरण जहॉ ई–नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	https://ireps.gov.in/

आईआरईपीएस के माध्यम से आयोजित ई–नीलामी में भाग लेने हेतु निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य है:

1. इच्छुक बोलीदाताओं को आई आर पी एस (वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल) में ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। पहले से ही अन्य आई आर पी एस खाता रखने वाली संस्थाए भी खुद को वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल के लिए नामांकित करने में सक्षम होगी। **2.** एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान **3.** भारतीय स्टेट बैंक में चालु खाता **4.** आई आर पी एस खाते के साथ भारतीय स्टेट बैंक के खाते का एकीकरण **5.** फण्ड का लियन मार्किंग **6.** टर्नओवर का अद्यतनीकरण (updation) **7.** जिन ठेकेदारों के पास आईआरपीएस के किसी भी मोड्यूल के लिए आई आर पी एस खाता नहीं है, वे आईआरपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओ/ठेकेदारों (ई–निविदा/ई–नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण हेतु अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सकते है।

सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली 110055 **Email: pkg.delhidivision@gmail.com** Tel: 011-23743084

3080/25

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

लद्दाख का समाधान

लद्दाख पिछले कुछ वर्षों से कुछ मुद्दों को लेकर आंदोलित है। लद्दाख ने धारा 370 हटने की खुशी मनाई थी, क्योंकि वह कश्मीर के निजाम में उपेक्षित महसूस करता था। वहां के लोग केंद्र शासित प्रदेश की मांग कर रहे थे। नई व्यवस्था बनने से केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिल गया। खुशी मनाई गई, किंतु धीरे-धीरे समझ आने लगी कि बिना विधानसभा के केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा हमारी आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पाएगा, क्योंकि स्थानीय समझ के बिना और चुने हुए प्रतिनिधियों वाली विधानसभा के बिना यहां की जनापेक्षाओं को समझना और पूरा कर पाना संभव नहीं है। खासकर यहां की जमीनों को जो धारा 370 की वजह से खरीद-बिक्री से बाहरी हस्तक्षेप से सुरक्षा प्राप्त थी, उसके हट जाने से स्थानीय संसाधनों पर बाहरी कब्जे का खतरा पैदा हो गया।

स्मरण रहे कि पहाड़ के लोग कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन करते हैं और उनके लिए मुख्य धारा के धन्नासेठों से प्रतिस्पर्धा कर पाना संभव नहीं। इसलिए यदि खुले खेल की नौबत आती है तो स्थानीय लोग तात्कालिक लाभ के लालच में अपनी जमीनों और संसाधनों से वंचित हो जाएंगे। इस समझ के चलते ही चुनी हुई विधानसभा के साथ संविधान की छठी अनुसूची के प्रावधान लागू करने की मांग उठने लगी, जिसका सरकार की ओर से वादा भी किया गया था। विशालकाय सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा परियोजना के लिए 80 वर्ग किलोमीटर जमीन पांग क्षेत्र में अधिग्रहण की गई है।

21 मार्च 2003 में राज्यसभा में सूचना दी गई थी कि पांग, डबिंग और खरनाक में सौर, पवन ऊर्जा के लिए 250 वर्ग किलोमीटर जमीन अधिग्रहण किया जाएगा। 2070 मेगावाट जलविद्युत बनाने की भी योजना है। लद्दाख में बहुत से दुर्लभ खनिज भी उपलब्ध हैं जिनके दोहन के लिए मेगा सडक़ और रेल लिंक की योजनाएं हैं। कुछ खनन पट्टे दिए भी गए हैं। जाहिर है कि इतने बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट घरानों के माध्यम से होने वाले परियोजना कार्यों में स्थानीय चुनी हुई सरकार न होने पर पर्यावरण को होने वाली हानि को कौन रोक सकेगा। जिन कॉर्पोरेट कंपनियों को अपने लाभ के अलावा कुछ भी जरूरी नहीं लगता, उनके भरोसे स्थानीय लोग इस संवेदनशील पर्यावरण को नहीं छोडऩा चाहते। छठी अनुसूची के प्रावधान लागू होने से स्थानीय व्यवस्था को विकास के लिए इन योजनाओं की मनमानी को रोकने के कुछ उपकरण उपलब्ध होंगे। यह तो देश हित में ही है कि स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करके विकास को पर्यावरण मित्र दिशा देने में मदद मिलेगी। वैकल्पिक तकनीकों के सुझाव भी मिल सकेंगे जिससे इन परियोजनाओं के पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा।

स्थानीय लोग कैसे इन कार्यों से आर्थिक रूप से भी लाभान्वित हो सकें, यह भी देखना संभव होगा। इसी के साथ कारगिल और लेह के लिए दो अलग-अलग लोकसभा सीटें, और नौकरियों में स्थानीय निवासियों को संरक्षण की मांग है। ये मांगें किसी भी हालत में संविधान के बाहर की नहीं हैं और अन्य कई राज्यों में इस तरह के संरक्षण स्थानीय आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़े समुदायों को संविधान के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत दिए गए हैं। लद्दाख में 90 से 95 प्रतिशत आबादी जनजातीय समुदायों की है जिनकी विशिष्ट संस्कृति है और आर्थिक-सामाजिक रूप से भी ये लोग कठिन जलवायु और अति संवेदनशील पारिस्थितिक हालत में रहने के कारण हाशिए पर रहने वाले लोग हैं। इन आधारों पर उनकी मांगें तर्कसम्मत ही हैं। हां उनमें संवाद से कुछ घटा-बढ़ी तो की ही जा सकती है। किंतु सरकार ने इस मामले को लटका कर पेचीदा बनाने का काम किया। आंदोलनकारी लोगों का चरित्रहनन भी स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। यह मसला अविलंब हल हो।

रिलीजन और रिलेजनशिप में अंतर का भाव, और ऊपरी आवरण

भारत में अभी भी गांव गांव में रामलीला का आयोजन किया जाता है और लोग देखने भी जाते हैं। यह सिलसिला आदि कल 400 वर्षों से हो रहा है। अब लोगों को इसमें नया पन नहीं लगता है। लेकिन लोग नित कुछ नया चाहते हैं। प्रायः लोग रामलीला देखने जाते हैं और ओंगना या सो जाते हैं। क्योंकि उसमें नया पन नहीं होता है। यद्यपि यह रामलीला धार्मिक है लेकिन लोगों की धार्मिकता नहीं है। धार्मिक होना ऊपरी आवरण जबकि धार्मिकता मन के अंदर की अनुभूति होती है। यही अंतर है दोनों में जैसे लिपिस्टिक लगाने से औरत का स्वास्थ्य नहीं बदलता बल्कि उसका ऊपरी आवरण दिखाई देता है।

लेकिन मन का सोच अलग है वह आवरण नहीं है। गांव में रामलीला चल रही थी सब देखने जाते थे जिसमें बच्चे, स्कूल टीचर, प्राचार्य, सभी शामिल थे। इसी दौरान विद्यालय में दिन में स्कूल निरीक्षक का दौरा हुआ। विद्यालय के टीचर ने सोचा कि जब सब रामलीला देखने जाते हैं तो अच्छा है कि निरीक्षक रामलीला से संबंधित प्रश्न ही पूछ लें क्योंकि उसे अपना ही पता है कि सभी उत्तर दे देंगे तो स्कूल निरीक्षक ने भी कहा कि ठीक है। उसने कक्षा में पूछा कि शिव जी का धनुष किसने तोड़ा था। तो एक छात्र ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया जो सबसे गधा था। उस छात्र ने कहा कि मैं पहले ही बता देना चाहता हूं कि मैंने शिवजी का धनुष नहीं तोड़ा। इस पर निरीक्षक से शिक्षक ने कहा कि साहब यह गलत कह रहा है कि इसने शिवजी का धनुष नहीं तोड़ा है बल्कि वह बहुत उदंत है। सब इसे ही तोड़ा है, यहां तक कि मेरी कुर्सी भी।

निरीक्षक हतप्रभ, उसने कमरे में जाकर प्राचार्य से पूछा कि शिवजी का धनुष किसने तोड़ा तो प्राचार्य ने कहा कि बहुत से बच्चे स्कूल में पढ़ते किसी ने तोड़ दिया होगा, बच्चे है उद्दम मचाते रहते हैं। आप परेशान न हों। निरीक्षक हतप्रभ कि यह कैसी रामलीला है जो कुएं में भंग पड़ी है। वह दौड़ कर मुनस्पल दफ्तर गया जो स्कूल चलाता था और उसने रामकथा सुनाई तो अध्यक्ष बोले शिवजी का धनुष किसी ने तोड़ दिया है तो हम उसे जुड़वा देंगे और आप कहीको चिंता कर रहे हो। कितना बड़ा धनुष था। और शिवजी बावजी से हमे क्या लेना देना।

कौन है शिवजी। यह हाल है रामलीला का। रामलीला देखने जाने वाले ऊब गए हैं कि क्या देखना रामलीला को सब वही तो है नया पन कुछ नहीं है। यह ऊपरी आवरण है इसे रिलीजन कह सकते है जो समाज, परिवार, समूह से मिला हुआ है कि वह हिन्दू है या मुसलमान है। यह आंतरिक नहीं है जो रिलिजनशिप है। जो अंदर की अनुभूति है और व्यक्ति का चरित्र भी है। मनुष्य की अंतर आत्मा जब झकझोर देती है तो वह कुछ बातों की अनुभूति करता है तब ही उसे धार्मिकता का अहसास होता है। व्यक्ति श्मशान में अर्थी के साथ जाता है तो कुछ देर के लिए अंतःकरण में प्रवेश करता है लेकिन फिर वही दीन दुनियां की बातों में लग जाता है और ऊपरी आवरण में आ जाता है।

एसआईआर के कई सवाल अब भी अनसुलझे

अजीत द्विवेदी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है, जिसमें करीब सात करोड़ 42 लाख मतदाताओं के नाम हैं। एसआईआर शुरू होने से पहले बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 89 लाख थी, जो अब घट कर सात करोड़ 42 लाख हो गई है। इस आधार पर कह सकते हैं कि सिर्फ 47 लाख नाम घटे हैं। लेकिन असल में करीब 69 लाख नाम कटे हैं। यह सात करोड़ 42 लाख की जो संख्या दिख रही है उसमें साढ़े 21 लाख नाम ऐसे हैं, जो नए जोड़े गए हैं। सो, चुनाव आयोग ने अपनी ओर से एसआईआर का काम पूरा कर दिया है। अगले कुछ दिन में एक पूरक सूची आ सकती है, जिसमें कुछ और नए नाम होंगे।

लेकिन सवाल है कि क्या एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने से सारे सवालों के जवाब मिल गए? इसको लेकर जितने संदेह थे, सब दूर हो गए? क्या अब सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ा मामला बंद हो जाएगा या वहां नए सवाल खड़े होंगे?ध्यान रहे एसआईआर का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सर्वोच्च अदालत ने मतदाता के सत्यापन के एक दस्तावेज के तौर पर आधार को शामिल करने और जिन लोगों के नाम कटे थे उनके ऑनलाइन आवेदन लेने का जिस दिन आदेश दिया था उस दिन कहा था कि अगर गड़बड़ी मिली तो वह पूरी प्रक्रिया को रद्द कर देगी।

पता नहीं अदालत की आगे की सुनवाई में क्या होगा लेकिन ऐसा लग रहा है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भी अनेक सवाल अनसुलझे रह गए हैं। इनका जवाब इसलिए जरूरी है क्योंकि चुनाव आयोग अब पूरे देश में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है और पश्चिम बंगाल से लेकर केरल तक इसका विरोध तेज हो गया है। केरल में तो विधानसभा में सर्वसम्मति से एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया है। सो, कह सकते है कि एसआईआर की एक परीक्षा अभी और होनी है। बहरहाल, अब बिहार के एसआईआर के आंकड़े को देखने और उसके निहितार्थों को समझने की कोशिश करते हैं।

चुनाव आयोग ने जुलाई के अंत में जो मसौदा सूची जारी की थी उसमें 7.24 करोड़ नाम थे और 65 लाख 64 हजार नाम काट दिए गए थे। उसको लेकर बड़ा विवाद हुआ लेकिन आयोग अपनी बात पर अड़ा रहा। आयोग ने कहा कि इसमें 22 लाख से कुछ ज्यादा लोग ऐसे हैं, जिनका निधन हो गया है, 36 लाख से कुछ ज्यादा लोग स्थायी रूप से शिफ्ट कर गए हैं और साढ़े छह लाख के करीब लोगों के नाम एक से ज्यादा जगहों पर थे। यह हिसाब था 65 लाख 64 हजार लोगों के नाम कटने का। अब नाम कटने का आंकड़ा 69 लाख का है।

सवाल है कि साढ़े तीन लाख के करीब जो नए नाम कटे हैं, वह किन लोगों के हैं? चुनाव आयोग ने इनको नॉट रिकमेंडेड की श्रेणी में रखा था और नोटिस जारी किया था। चुनाव आयोग ने खुद ही बताया है कि बिना पक्ष सुने किसी का नाम नहीं काटा जाएगा। सो, जाहिर है कि इन साढ़े तीन लाख लोगों का पक्ष सुन कर इनका नाम काटा गया होगा। तो अब सवाल है कि इनके दश्तावेजों में क्या गड़बड़ी थी? क्या इनके पास आधार भी नहीं था? या आधार था लेकिन आयोग को उसकी प्रामाणिकता पर संदेह था?ध्यान रहे अनेक लोगों की कहानियां आ रही हैं कि उनके पास सिर्फ आधार था और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के दम पर वे आधार के जरिए मतदाता बन गए।

अगर साढ़े तीन लाख लोगों के पास आधार भी नहीं था या आधार था तो संदिग्ध था तो चुनाव आयोग ने उनका क्या किया? क्या आयोग ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को कोई जानकारी भेजी है? क्या उसने इन लोगों को संदिग्ध नागरिक की श्रेणी में रखा है? अगर ऐसा भी है कि बहुत से लोगों ने फॉर्म भरा और नोटिस आने के बाद गायब हो गए तो उनकी भी जानकारी निश्चित रूप से केंद्रीय गृह मंत्रालय की दी जानी चाहिए, क्या आयोग ने ऐसा किया है? इन सवालों के जवाब जरूरी हैं अन्यथा आगे जिन राज्यों में एसआईआर होगा वहां भी मसौदा सूची में नाम होने के बावजूद लाखों लोगों के नाम अंतिम सूची से बाहर हो जाएंगे और कोई कुछ नहीं कर पाएगा।

बिहार में जिन साढ़े तीन लाख लोगों के नाम मसौदा सूची में होने के बावजूद कटे हैं या तो वे विदेशी व संदिग्ध नागरिक हैं और देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं या इसी देश के नागरिक हैं लेकिन किसी तकनीकी आधार पर उनका नाम काट कर उनको वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा रहा है? ये दोनों स्थितियां चिंताजनक हैं। इसी से जुड़ा एक सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने आधार को किस रूप में लिया? अगर किसी नागरिक की ओर से एकमात्र पहचान पत्र के तौर पर आधार पेश किया गया तो उसे आयोग ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया? उसे सहज रूप से स्वीकार कर लिया गया या संदिग्ध बता कर किसी और दश्तावेज की मांग की गई? इस सवाल का जवाब भी इसलिए जरूरी है क्योंकि आगे जिन राज्यों में एसआईआर होगा वहां ज्यादातर लोग आधार ही पेश करेंगे।

इसके अलावा एक सवाल यह है कि मसौदा सूची जारी होने के बाद चुनाव आयोग के सामने जो दावे और आपत्तियां आई थीं उनमें से कितने को और कैसे निपटाया गया? यह सवाल इसलिए है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट तक एसआईआर का मुकदमा लडऩे वाले लोग बता रहे हैं कि आयोग के सामने जो आपत्तियां आई थीं उनमें 57 फीसदी ऐसी थीं, जिसमें लोगों ने अपना नाम काटने को कहा था।

सवाल है कि ऐसा कैसे हो सकता है कि जिन लोगों ने मतगणना प्रपत्र भरा और मसौदा सूची में नाम आने के बाद खुद ही नाम कटवाने पहुंच गए? इसी तरह दावा किया जा रहा है कि सात सौ लोगों ने अपने को विदेशी बता कर नाम काटने को कहा। यह कैसे हो सकता है? उनका फॉर्म कैसे स्वीकार हुआ और किन दश्तावेजों के आधार पर हुआ? सबसे मजेदार दावा यह है कि 28 लोगों ने दश्तखत करके आपत्ति दर्ज कराई कि वे मर चुके हैं। क्या ऐसा होना संभव है?एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव आयोग की ओर से जारी अंतिम मतदाता सूची में 21.53 लाख लोगों के नाम जोड़े जाने की बात कही गई है।

चुनाव आयोग ने कहा कि उसने 7.24 करोड़ की मसौदा सूची में से 3.66 लाख नाम और काटे, जबकि 21.53 लाख नाम जोड़े तो अब कुल संख्या 7.42 करोड़ हो गई। सवाल है कि जब खुद चुनाव आयोग ने एक सितंबर को दावे व आपत्तियां लेने की तारीख समाप्त होने के बाद कहा कि उसे 16.93 लाख नए नाम जोडऩे का आवेदन मिला है तो यह संख्या बढ़ कर 21.53 लाख कैसे हो गई? यह साढ़े चार लाख से ज्यादा नाम कहां से आए, जबकि आयोग ने कहा कि एक सितंबर के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा? विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों और उठाई जा रही आशंकाओं को दूर करने के लिए इन सवालों के जवाब देना जरूरी है।

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

संजय गोस्वामी

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया, मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं।

2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है।

ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगशत में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी। नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिज़ाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निश्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दर्शाता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है। तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू श्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है।

कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और लाइव-री अभ्यास भी हुए हैं – कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर – जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है। नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है।

भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिज़ाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था।

हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैः तनाव नियंत्रण, बाहरी हश्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा।

1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अशितत्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमज़ोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए। पाकिस्तान के निर्णयकर्ता लंबे समय से कहते रहे हैं कि ग्वादर की उत्पत्ति बीजिंग की बजाय इस्लामाबाद की अपनी रणनीतिक गणनाओं में निहित है। इस प्रकार, ग्वादर और कराची केवल आर्थिक केंद्र ही नहीं हैं - वे भारत के लिए एक मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं।

इस पृष्ठभूमि में, यदि भविष्य में भारतीय नौसेना को प्रत्यक्ष अभियानों में शामिल किया जाता है, तो युद्ध के अलावा अन्य किसी भी दबाव की गुंजाइश काफी कम हो जाएगी, और भारत को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी की उपस्थिति और उसके दांव पर भी विचार करना होगा। ऐतिहासिक रूप से, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की मुख्य भूमिका नौसेना के युद्धपोतों को हवाई सुरक्षा कवरेज प्रदान करना रही है। तटीय रक्षा सिद्धांत का एक हिस्सा नौसैनिक विमानों द्वारा जहाजों की सुरक्षा करना था, यही कारण है कि 1960 और 70 के दशक के कई पीपुल्स लिबरेशन आर्मी जहाजों में लंबी दूरी की विमान-रोधी मिसाइलों या तोपखाने का अभाव था।

दूसरा, दोनों पक्षों द्वारा समानांतर अभ्यास और मिसाइल परीक्षण अलग-अलग अभ्यासों से कहीं अधिक को प्रतिबिंबित कर सकते हैं, जो इस ओर इशारा करते हैं और जानबूझकर किए गए प्रयास तैयारी प्रदर्शित करने और विरोधी के योजना चक्र को जटिल बनाने के लिए न हो। पाकिस्तान ने इस बात पर जोर देने की कोशिश की है कि उसकी नौसेना अब 1971 जैसी कमज़ोर ताकत नहीं रही और वह समुद्री क्षेत्र में भारतीय परिचालन योजना को जटिल बनाने और दबाव को रोकने के लिए तैयारी का संकेत दे रही है। भारत क्षमता के प्रत्यक्ष प्रदर्शन और जोखिम स्वीकार करने के माध्यम से पहल बनाए रखने पर आमादा दिखाई देता है।

यह समानता बताती है कि दोनों पक्ष तैयारी का संकेत दे सकते हैं और समुद्र में भविष्य के संघर्ष-टेम्पलेट को आकार देने में सक्रिय रूप से निवेश भी कर सकते हैं।

तीसरा, बाहरी आयाम तीक्ष्ण हो रहा है। कराची और ग्वादर बंदरगाहों में चीन की भागीदारी भारत के कथित प्रभुत्व को कम कर रही है और संकट के समय पाकिस्तान को प्लान के समर्थन का खतरा बढ़ा रही है। पाकिस्तान के मदद के लिए तुर्की की उभरती हुई भूमिका, भले ही वह सीमित हो, लेकिन भारत के लिए समुद्र में खतरनाक कदम तुर्की ने अपने युद्ध पोत उतार कर किया था कुछ चैनलों ने यह बताया गया है कि युद्ध पोत की भारतीय तैनाती ने पाकिस्तान को कराची से अपनी सेना हटाने के लिए मजबूर किया है, जिससे प्रभुत्व का प्रदर्शन हुआ है और मनोवैज्ञानिक दबाब भी बढ़ी है, लेकिन यह रणनीति अब काम नहीं कर सकती जो पुरानी हो गई है।

साथ ही, हाल ही में हुई खरीद और उच्च-श्तरीय सैन्य उपकरण परमाणु पंडूबी से नौ सेना की ताकत जरूर बढ़ी है लेकिन भविष्य में कहीं तुर्की कहीं खुले तौर पर पाकिस्तान के तरफ से भारत के खिलाफ अपने युद्ध पोत उतार कर एक दुविधा पैदा की है । ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों सेनाएँ पिछले संकटों के निपटने हेतु समुद्री रक्षा पर काम कर रही हैं, जबकि हाइपरसोनिक मिसाइलों से लेकर ड्रोन तक की नई क्षमताएँ आगे बढ़ने की पीढ़ी को बदल रही हैं। जो उस समय भारत के ब्राह्मओस मिसायल ने गजब का कहर ढाया था यदि संकट में निर्णय लेने की प्रक्रिया पुरानी धारणाओं पर ही टिकी रहती है, तो गलत अनुमान लगाने पर युद्ध में जोखिम बढ़ जाता है। वाश्तव में, समुद्री क्षेत्र वह स्थान बन रहा है जहाँ भारत को और अधिक जल से हवा में मार करने वाले मिसायल का परीक्षण किया जाए। हालांकि भारत-पाकिस्तान संकट का नौसैनिक तत्व परिधीय रहने की संभावना नहीं है। दोनों पक्ष न केवल अपने समुद्री प्लेटफ़ॉर्म का परीक्षण कर रहे होंगे, बल्कि समुद्र में सीमा-रेखाओं का संकेत भी दे रहे होंगे, जहाँ गलत अनुमान लगाने के कारण देश की वायु क्षेत्र पर सवाल उठाएं गए हैं।

हवाई हमले के विपरीत, नौसैनिक तैनाती लगातार बनी रहती है, और इरादे और संकल्प की धारणाओं को आकार देती है। फिर भी, विरोधाभासी रूप से, यही पैटर्न स्थिरीकरण प्रभाव भी ला सकता है। एक-दूसरे की रणनीति, युद्धाभ्यास और क्षमताओं के नए अनुप्रयोगों का परीक्षण और अवलोकन करके, दोनों नौसेनाएँ आपसी जागरूकता का निर्माण कर रही हैं जो समय के साथ युद्ध के कोहरे को कम कर सकती है। इस अर्थ में, भारतीय नौसेना अपने पाकिस्तानी समकक्ष के बारे में उस तरह की जानकारी प्राप्त कर रही है जो वायु सेना ऑपरेशन सिंदूर से पहले नहीं कर सकती थी।

भारत के लिए चुनौती यह तय करने की होगी कि समुद्री क्षेत्र को युद्ध की स्थिति में प्रारंभिक संकेत देने के क्षेत्र के रूप में माना जाए या इसे वृद्धि के आरक्षित क्षेत्र के रूप में रोका जाए। स्टील्थ फ्रिगेट का जलावतरण, व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त गश्त पर जोर और स्वदेशी क्षमता के लिए प्रयास यह दर्शाते हैं कि नई दिल्ली दोनों संभावनाओं के लिए तैयारी कर रही हैः एक विस्तारित क्षेत्रीय भूमिका और एक संकट-विशिष्ट दबावकारी लीवर। फिर सवाल यह है कि क्या नौसेना को पहले की तुलना में अग्रिम पंक्ति में पहले शामिल किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद समुद्री सीमा पर भारत की मजबूत तैनाती जरूर हुई लेकिन तुर्की का सीधा पाकिस्तान के लिए अपना युद्ध पोत उतार देना नौ सेना के लिए एक चुनौती हैं। मई 2025 के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में, क्रिकेट में भी खिलाड़ियों का देश प्रेम की भावना जगी ये वीर सैनिकों हेतु सराहनीय कदम है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय जहां एक ओर वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी दुनिया में भारत के अरबपतियों की संख्या भी सबसे तेजी से बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर यद्यपि दुनिया में भारत में अत्यधिक गरीबी में सबसे तेजी से कमी आ रही है, लेकिन भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है।

हाल ही में एक अक्टूबर को प्रकाशित एमएम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत में 9.55 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ रिलायंस इंडस्ट्री के मुकेश अंबानी पहले स्थान पर हैं, जबकि गौतम अडानी 8.15 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची के इतिहास में पहली बार कोई महिला शीर्ष तीन में जगह बनाने में कामयाब रही हैं। वह महिला हैं, रोशनी नादर मल्होत्रा। उनके और उनके परिवार की संपत्ति का आकार 2.84 लाख करोड़ रुपए है। यह महत्वपूर्ण बात है कि 2025 की सूची भारत के अरबपति समुदाय में विस्तार का प्रतीक है। देश में अब 358 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले की तुलना में 6 गुना अधिक हैं।

इस सूची के मुताबिक भारत में 1687 ऐसे भारतीय हैं जिनकी संपत्ति 1000 करोड़ से अधिक है। इस सूची में शामिल सभी लोगों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपए है जो पिछले साल 2024 की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। यह भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग आधे के बराबर है। यह बात महत्वपूर्ण है कि पिछले दो वर्षों में भारत में औसतन हर सप्ताह एक नया अरबपति बना है।

इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के सभी धनी व्यक्तियों ने प्रतिदिन 1991 करोड़ रुपए की दर से संपत्ति अर्जित की है। ऐसे में भारत में अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था स्वदेशी आत्मनिर्भरता के साथ तेजी से आगे बढ़ानी होगी और हरसंभव तरीके से गरीब वर्ग के हितों का ध्यान रखना होगा। पूरी दुनिया ने हाल ही में यह भी देखा है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमेरिका के सामने झुकते हुए उसकी व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दिए हैं, तब भारत अमेरिका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों गरीब किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़ा रहा।

यह भारत सरकार का गरीबों के रोजगार हित में बड़ा कदम है। निःसंदेह भारत में गरीबी में कमी लाने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जाने से गरीबी में बहुत तेजी से कमी आ रही है। पिछले दिनों प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक गरीबी संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने वाले लोगों की संख्या में पिछले 11 सालों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है और अत्यधिक गरीबी से करीब 27 करोड़ देशवासी बाहर निकले हैं।

विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी रेखा के निर्धारण के संबंध में जो नए अनुमान जारी किए हैं, उनके मुताबिक निम्न आय वाले देशों के लिए अत्यधिक गरीबी की रेखा 2.15 डॉलर प्रतिदिन के उपभोग व्यय से बढ़ाकर अब प्रतिदिन 3 डॉलर उपभोग व्यय पर निर्धारित की गई है। ऐसे में देश में अत्यधिक गरीब लोगों की जो संख्या 2011-12 में 27.1 फीसदी थी, वह 2022-23 में घट कर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इससे अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। निश्चित रूप से यह परिदृश्य भारत में गरीब कल्याण की दिशा में बड़ी प्रगति का स्पष्ट संकेत करता है। साथ ही यह परिदृश्य पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गरीब कल्याण को लक्षित करके बनाई गई अत्यधिक लाभकारी योजनाओं की सार्थकता भी प्रस्तुत करता है। खासतौर से देश में करीब 55 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 138 करोड़ आधार कार्ड (ए) तथा करीब 119 करोड़ मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढांचा गरीबों के सशक्तिकरण में असाधारण भूमिका निभा रहा है। इस जैम के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हश्तांतरित हो रही है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से मुफ्त खाद्यान्न वितरित करते हुए उनकी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभा रहा है। सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत गरीबों को 2028 तक मुफ्त अनाज दिया जाना सुनिश्चित किया है। गरीबों के सशक्तिकरण से संबंधित कई और योजनाओं से गरीबी घट रही है।

इनमें स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, पेयजल सुविधा के लिए जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ शौचालय और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं शामिल हैं।यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब आर्थिक विकास और नई तकनीकों का उपयोग गरीबों के हित में किया जाना जरूरी है। अब कर सुधारों का लाभ गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों तक पहुंचना चाहिए। हाल ही में उभरते भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार हैं। इन दिनों नए सुधारों और नई कर व्यवस्थाओं पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इन आमूल कर सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी। ऐसे में कई परिवारों को अपनी आजीविका कमाने और युवाओं के लिए नौकरी के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।

इससे देश के गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों की आमदनी में वृद्धि होगी। चूंकि अब देश का लक्ष्य 2047 में आम आदमी की खुशहाली के साथ देश को विकसित भारत बनाना सुनिश्चित किया गया है, इस लक्ष्य को पाने के लिए कई बातों पर रणनीतिक रूप से ध्यान देना होगा। निश्चित रूप से देश से गरीबी के तेजी से घटने और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढऩे के बावजूद अभी हमें स्वदेशी आत्मनिर्भरता की डगर पर और तेजी से आगे बढऩा होगा। हमें अभी आम आदमी के कल्याण और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के लिए मीलों चलना होगा।

यद्यपि इसी वर्ष 2025 में भारत 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या की कुल आमदनी के आधार पर जापान को पीछे छोडक़र दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। स्थिति यह है कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत दुनिया के कई देशों से बहुत पीछे है। जापान की प्रति व्यक्ति आय भारत की तुलना में लगभग 11.8 गुना अधिक है। ऐसे में अभी हमें देश में गांवों की मजबूती, कृषि क्षेत्र की ऊंचाई और छोटे शहरों के विकास के साथ-साथ आम आदमी की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए अधिक प्रयास करने होंगे।

निःसंदेह अब गरीबों के रोजगार और गरीबों की आमदनी बढ़ाने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को उनके लिए वरदान बनाना होगा। एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए सीधे मदद और प्रक्रियाओं के माध्यम से मदद, दोनों ही डगर पर आगे बढऩा होगा जिससे उनके व्यापक ढांचे में लचीलापन मिल सकेगा और उनके अनुपालन लागत में भी कमी आएगी।

सरकार के द्वारा एमएसएमई के कारोबार करने को आसान बनाने और घरेलू खपत को बढ़ाने के तरीकों पर नए सिरे से आगे बढऩा होगा। नई सप्लाई चेन और नए बाजारों की तलाश की जानी होगी। विदेशों में वेयरहाउसिंग की सुविधा और वैश्विक ब्रांडिंग पहल से भी एमएसएमई के निर्यात का बाजार बढ़ाना होगा।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

सरकारी अस्पतालों में भेजी गई एंटीबॉयोटिक दवा में नमी, गुणवत्ता पर सवाल, जांच के आदेश

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में मेडिकल कॉर्पोरेशन के माध्यम से सरकारी अस्पतालों में भेजी गई एंटीबायोटिक दवा सिप्रोफ्लॉक्सिन 500 मिग्रा की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। मरीजों का कहना है कि दवा का रैपर खोलते ही टैबलेट टूटकर चूरन की तरह बिखर जा रही है। दवा में नमी की शिकायत मिलने पर अफसरों ने जांच के आदेश दिए हैं। यदि दवा में नमी की पुष्टि होती है तो पूरी खेप वापस कर नई दवा मंगाई जाएगी।

अस्पतालों में आपूर्ति की गई यह दवा बैच नंबर सीपीटी 24076 की है और अगस्त 2027 तक इसे वैध बताया गया है। इसकी बड़ी खेप सिविल अस्पताल सहित कई सरकारी अस्पतालों में पहुंची है। डॉक्टर मरीजों को यह दवा लिख रहे हैं, लेकिन मरीज इसे लेने से हिचक रहे हैं। मरीज राजकुमार ने बताया कि दवा का रैपर खोलते ही वह चूरन की तरह बिखर गई। दवा की गुणवत्ता पर भरोसा नहीं रह गया।

वहीं, अस्पताल प्रभारियों ने बताया कि दवा की प्रयोगशाला में जांच कराई जाएगी। नमी या गुणवत्ता में खामी मिलने पर दवा वापस कराई जाएगी और मेडिकल कॉर्पोरेशन से नई खेप मंगाई जाएगी।

पहले भी नमी लगी दवा की सप्लाई हुई थी : यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी ड्रग कॉर्पोरेशन की ओर से अस्पतालों में बीपी की दवा टेल्मीसार्टन 40 मिग्रा (बैच नंबर 384टीटीएफ006) और अमलोडिपिन (बैच नंबर बीटी1512) की सप्लाई की गई थी। दोनों दवाओं में नमी की शिकायतें सामने आई थीं। जांच के बाद दवाएं वापस कराकर नई खेप भेजी गई थी।

प्रदेश भर में कफ सिरफ को लेकर जांच शुरू, कोल्ड्रिफ पर लगी पूरी तरह से पाबंदी, अन्य की भी होगी पड़ताल

लखनऊ , एजेंसी। मध्य प्रदेश व राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में अलर्ट घोषित किया गया है। रविवार को सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि श्रीसन फार्मा के कफ सिरप की बिक्री रोक दी जाए। विभिन्न जिलों में बनने वाले अन्य सिरप के भी सैंपल लेने और उन्हें लखनऊ प्रयोगशाला भेजने का निर्देश दिया गया है।

तमिलनाडू में बने श्रीसन फार्मा के कप सिरप कोल्ड्रिफ में खतरनाक रसायन डाइएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया है। यह जानलेवा होता है। इससे मध्य प्रदेश में कई बच्चों की मौत हो गई है। इसी तरह राजस्थान में कायसन फर्मा के डेक्सट्मेथारफन कफ सिरप पीने के बाद बच्चों की मौत हो गई है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में भी सिरप को लेकर जांच अभियान शुरू किया गया है। सहायक आयुक्त ने रविवार को सभी औषधि निरीक्षकों को

निर्देश दिया है श्रीसन फार्मा के किसी भी कप सिरप की बिक्री न होने दिया जाए।

जहां भी कफ सिरप मिले तत्काल उसके नमूने लेते हुए बिक्री रोक दिया जाए। इसके लिए सरकारी एवं निजी अस्पतालों एवं मेडिकल स्टोरों की जांच की जाएगी। प्रदेश में संकलित कफ सिरप के नमूनों को तत्काल लखनऊ स्थित प्रयोगशाला भेजा जाएगा। औषधि निरीक्षकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि अपने कार्यक्षेत्र में स्थित दवा निर्माणशालाओं से कफ सिरप एवं उसमें प्रयुक्त प्रोपाइलिन ग्लाइकॉल का नमूना संकलित करके जांच व विश्लेषण के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजा जाए। इस आदेश के बाद सोमवार को सभी जिलों में कफ सिरप को लेकर लेकर जांच अभियान शुरू होगा। सभी निरीक्षकों को हर दिन शाम को विभिन्न स्थानों पर मेडिकल स्टोरों की जांच और लिए गए नमूने के बारे में रिपोर्ट तैयार करनी है। यह रिपोर्ट गूगल शीट के माध्यम से आनलाइन प्रदेश मुख्यालय भेजी जाएगी।

भंडारण के बारे में मांगी जानकारी : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को भी पत्र भेजा है। इसमें पूछा है कि यदि प्रदेश में कहीं भई श्रीसन फार्मास्युटिकल कंपनी के कफ सिरप भेजे गए हों अथवा उनका भंडारण हो तो तत्काल उसका वितरण रोक दें।

नागरिकों के सुझावों से बन रहा समर्थ उत्तर प्रदेश'' का खाका

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य नियोजन विभाग द्वारा "समर्थ उत्तर प्रदेशः विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान संचालित किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी पहल के अंतर्गत नागरिकों से प्रदेश के समग्र विकास के लिए बहुमूल्य सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं। नागरिक अपनी राय और सुझाव पोर्टल पर दर्ज कर रहे हैं।

राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जन-भागीदारी को और व्यापक बनाने के लिए पोर्टल पर फीडबैक देने की अंतिम तिथि 05 अक्टूबर से बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी गई है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक अपने विचार साझा कर सकें। अभियान के अंतर्गत शिक्षा, कृषि, चिकित्सा, ग्रामीण विकास, उद्योग, रोजगार, अवसंरचना एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आमजन, नोडल अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं प्रबुद्धजनों से सुझाव लिए जा रहे हैं। अलीगढ़ में भी "विकसित उत्तर प्रदेश 2047 विज़न को ध्यान में रखते हुए नागरिकों के सुझावों को आत्मसात किया जा रहा है। जनसामान्य से प्राप्त सुझावों के आधार पर जिलाधिकारी संजीव रंजन ने क्वार्सी बाईपास से जेएनएमसी (मेडिकल कॉलेज) तक एलिवेटेड पुल अथवा सड़क निर्माण के लिए सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने और नागरिक सुविधा में बढ़ोतरी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

"विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के विज़न में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता को महत्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि जनता के विचार और सुझाव ही नीतिगत निर्णयों की दिशा और प्राथमिकता तय करने का आधार बनेंगे। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश के विकास का रोडमैप जनता की आकांक्षाओं और जरूरतों के अनुरूप तैयार हो।

सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार द्वारा सभी नागरिकों से अपील की जाती है कि वे अपने सुझाव ''समर्थ उत्तर प्रदेशः विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पोर्टल पर 31 अक्टूबर 2025 तक अवश्य दर्ज करें और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

सम्मान पाकर मेधावियों के चेहरे खिले कंप्यूटर क्रांति लाने की ली शपथ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उत्कर्ष स्मॉल फायनेंस बैंक एवं ई-सर्व कम्प्यूटर साक्षरता मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेधावी छात्र

सम्मान समारोह का शुभारम्भ वार्ष्णेय मंदिर में प्रमुख संत महंत योगी कौशलनाथ, वार्ष्णेय मंदिर व्यवस्थापक राधेश्याम गुप्ता स्क्रैप, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ संजीव कुमार वार्ष्णेय, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के सीनियर मैनेजर एम आर नौटियाल, प्रवक्ता भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, कार्यक्रम संयोजक डा देवेंद्र कुमार, डॉ प्रियंका वार्ष्णेय नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ अभिषेक वार्ष्णेय, ई सर्व कंप्यूटर साक्षरता मिशन के प्रबंध निदेशक आईपी गुप्ता, उत्कर्ष फाइनेंस बैंक के शाखा प्रबंधक मयंक वार्ष्णेय ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। सम्मान समारोह में 427 मेधावियों का सम्मान किया गया। सम्मान प्राप्त कर मेधावियों के चेहरे खिल उठे।

इस अवसर पर ई सर्व कंप्यूटर साक्षरता मिशन के डायरेक्टर आई पी गुप्ता के निर्देशन में छात्रों ने भारत में नई कंप्यूटर क्रांति लाने की भी शपथ ली । साक्षरता मिशन ने दो नए कोर्स कंप्लीट वेव डबलपमेंट और ग्राफिक डिजाइनर कोर्स भी इस अवसर पर लॉन्च किए। महंत योगी कौशल नाथ ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी माता-पिता आज के समय में बेटा-बेटी के बीच में अन्तर को दरकिनार करते हुए बेटियों की पढ़ाई को अब अधिक महत्व दे रहे हैं। साथ ही आगे कहा कि पढ़ाई के साथ कम्प्यूटर शिक्षा का वर्तमान में बहुत महत्व है। क्योंकि आज के डिजीटल युग में इसकी नितान्त आवश्यकता है। साथ ही अपने उद्बोधन से विद्यार्थियों में देश भक्ति की भावना भी जाग्रत की। आप सभी देश का भविष्य हैं आप ही में से कुछ बच्चे आगे जाकर डाक्टर, इंजीनियर बनेंगे ऐसे ही मेहनत करते रहिए और देश का नाम रोशन कीजिए। कार्यक्रम संयोजक डॉ० देवेन्द्र कुमार ने बताया कि आज विभिन्न कक्षाओं में 65 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 427 छात्र-छात्राओं को प्रशशित प्रत्र एवं मैडल देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रांतीय अध्यक्ष बनने पर किया स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

रघुवीरपुरी स्थित रेस्टोरेंट में करणी सेना मातृ शक्ति द्वारा राजेश्री तौमर को प्रांतीय अध्यक्ष मातृ शक्ति बृज क्षेत्र बनाए जाने पर स्वागत समारोह करते हुए नई कार्यकारिणी का गठन भी कराया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रीना राघव व योगिता सिंह रही। जिसमें दीप्ति सिंह को जिला अध्यक्ष व प्रीति गुप्ता को महानगर अध्यक्ष, अर्चना पचौरी संगठन मंत्री, पूर्णिमा शर्मा, प्रियंका गोस्वामी, प्रेरणा सिंह, रीना सिंह व तनुजा सिंह इन सभी को जिला उपाध्यक्ष तथा निर्मला सिंह महामंत्री,रजनी सिंह,पूजा सिंह,सुहाना शर्मा, रितु चौधरी, कमलेश सिंह, मीणा त्रिवेणी, पिंकी को महानगर की जिम्मेदारी प्रदान की गई अतः सैकड़ों की संख्या में करणी सेना की मातृ शक्ति उपस्थित रही।

ट्रेन में कन्फर्म टिकट नहीं मिले, तो यात्रीगण न हों परेशान; दिवाली और छठ पर्व पर रोडवेज ने दी राहत भरी खबर

आगरा, एजेंसी। यूपी परिवहन निगम दिवाली और छठ पर्व के लिए बसों के फेरे बढ़ाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्याप्त संख्या में बसें चलेंगी। दिवाली और छठ पर्व पर लोग अपने परिजन के पास त्योहार मनाने जाते हैं। ऐसे में ज्यादातर ट्रेनों में सीट फुल हो गई हैं। यात्रियों को वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रही है।

परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक ब्रह्मप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि इस समय 713 बसें संचालित की जा रही हैं। यह आगरा से छोटे और लंबे मार्गों पर संचालित हो रही हैं। जिनमें आगरा से लखनऊ, अलीगढ़, दिल्ली, बुलंदशहर, फिरोजाबाद, झांसी, कानपुर, हरियाणा, जयपुर, बरेली, अयोध्या, टनकपुर, औरैया, मैनपुरी, मथुरा आदि मार्गों पर आवागमन करती हैं। इन मार्गों पर यात्रियों की संख्या के अनुसार बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। जिससे यात्रियों को बस के लिए ज्यादा इंतजार न करना पड़े।उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्याप्त मात्रा में बसें संचालित की जा रही है। जो फाउंड्री नगर, आईएसबीटी, ईदगाह, फोर्ट और बाह डिपो से चलाई जा रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जाने वाले यात्री आसानी से घर पहुंच सकेंगे।

इस्लाम की बेटियां: हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या की साजिश, मुजाहिद आर्मी में लड़कियों की भर्ती में लगा था रजा

फतेहपुर, एजेंसी। हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या की साजिश रचने वाला मोहम्मद रजा मुजाहिद आर्मी में युवाओं की भर्ती के साथ लड़कियों को शामिल करने की कोशिश में भी जुटा था। इसके लिए लड़कियों को कट्टरपंथी बनाने की योजना बनाई गई थी। पुलिस सूत्रों की मानें तो मोहम्मद रजा और उसके सहयोगी इस्लाम की मुजाहिद बेटियां नाम की एक किताब के जरिये महिलाओं को उकसाने की कोशिश कर रहे थे। किताब को सोनभद्र निवासी सफील सलमानी ने मोहम्मद रजा के साथ मिलकर तैयार किया था। इसमें महिलाओं और बच्चों को इस्लाम के नाम पर सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी गई है। इसकी पीडीएफ (पोर्टेबल डॉक्यूमेंट फॉर्मेट) को कोर ग्रुप के जरिये सोशल मीडिया पर वायरल करने की योजना थी।

गांव से लापता हैं कई युवक : 30 सितंबर को मोहम्मद रजा को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने केरल से गिरफ्तार किया है। इससे पहले उसके साथी सफील सलमानी को सोनभद्र से, मौलाना

अकमल को सुल्तानपुर, तौसीफ को कानपुर और कासिम को रामपुर से गिरफ्तार किया गया था। मोहम्मद रजा की गिरफ्तारी के बाद राधानगर थाना क्षेत्र के अंदौली गांव से कई युवक लापता हैं। पुलिस इनकी गतिविधियों की जांच कर एसटीएफ को इनपुट दे रही है।

जलसे में मौलाना से आया संपर्क में : बताया जा रहा है कि डेढ़ साल पहले एक जलसे में सुल्तानपुर के मौलाना अकमल के संपर्क में आने के बाद मोहम्मद रजा ने आतंकी गतिविधियों की राह पकड़ी थी। उसने सोशल मीडिया के जरिये युवाओं को जोड़कर मुजाहिद आर्मी बनाने की शुरुआत की। अंदौली और आसपास के कई युवक उसके सोशल मीडिया नेटवर्क से जुड़े थे।

इन्हीं प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ सामग्री और इस्लाम की बेटियां नामक किताब साझा की जा रही थी। राधानगर प्रभारी निरीक्षक दिनेश मिश्रा ने बताया कि इलाके में प्रतिदिन गश्त की जा रही है। मौके पर संवेदनशीलता बरती जा रही है। किसी भी चर्चा के सामने आने पर जांच की जा रही है। फिलहाल बाहर से कोई टीम नहीं आई है।

टेसू-झांझी: महाभारत काल से जुड़ी पांच दिन की प्रेम कहानी, जो परवान चढ़ने से पहले मिटा दी गई...सदियों से गूंज

आगरा , एजेंसी। टेसू-झांझी की एक ऐसी प्रेम कहानी है जो महाभारत के युद्ध की पृष्ठ भूमि में परवान चढ़ने से पहले मिटा दी गई। अधूरी प्रेम कहानी की पांच दिवसीय लोक परंपरा आज भी ब्रज के गांवों में निभाई जाती है।

बाह, पिनाहट, जैतपुर समेत जिले भर के गांव कस्बों में बच्चों का उत्सव को लेकर उत्साह देखते ही बन रहा है। गलियों में गूंजते टेसू-झांझी के गीत ब्रज की लोक परंपरा को जीवंत कर रहे हैं। विजयदशमी से शरद पूर्णिमा तक ब्रज के गांवों में टेसू-झांझी की लोक परंपरा का निर्वहन होता है। तीन टांग पर टेसू खड़ा होता है, जबकि झांझी छोटी मटकी के आकार की होती है।

सोमवार को शरद पूर्णिमा पर टेसू-झांझी की शादी और अंतिम विदाई की रस्म का निर्वहन होगा। प्रियंका, खुशबू, सपना, राखी, प्रेमलता, सुमन, रेखा, सीता आदि ने बताया कि लड़के

थाली-चम्मच बजाकर टेसू की बरात निकालेंगे। वहीं लड़कियां भी झांझी को विवाह मंडप में लेकर आएंगी। फिर शुरू होता है ढोलक की थाप पर मंगल गीतों के साथ टेसू-झांझी का विवाह। सात फेरे पूरे होने से पहले ही लड़के टेसू का सिर धड़ से अलग कर देंगे, वहीं लड़कियां अपने सिर पर झांझी को रखकर घूम कर उनको अंतिम विदाई देंगी।

पहले होता था शादी जैसा माहौल, चढ़ती थी बरात : 90 के दशक तक पांच दिवसीय लोक परंपरा के निर्वहन में शादी जैसा माहौल होता था। बच्चों की टोलियां घर-घर से चंदा लेती थी। टेसू झांझी समिति बनाई जाती थी। शरद पूर्णिमा के दिन शादी का मंडप सजता था। निमंत्रण के कार्ड छपते थे। जरार की माया देवी, बाह की रेनू भदौरिया, रुदमुली की रीता भदौरिया ने बताया कि बैंड बाजे के साथ टेसू की बरात चढ़ती थी। नेग और दावत होती थी।

अब पहले की तरह शहनाई नहीं बजती, विवाह की रस्में जरूर निभाई जाती हैं। आजकल बच्चों की टोलियां टेसू-झांझी के गीत गाते हुए निकलती हैं तो अतीत के दिन याद आ जाते हैं। बाह की संगीता, बिजौली की किरन, धनियापुरा की गीता देवी ने बताया कि मोबाइल और टीवी संस्कृति से लोक परंपरा के निर्वहन में गिरावट आई है।

इतिहासकार डॉ शिव शंकर कटारे कहते हैं कि टेसू झांझी की लोक परंपरा महाभारत से जुड़ी हुई है। भीम के बेटे घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक महाभारत के युद्ध में कोरवों की ओर से शामिल हुए थे। वक्त बर्बरीक ने महाभारत युद्ध के बाद अपनी प्रेमिका गड़बड़ा (झांझी) को शादी का वचन दिया था। युद्ध में बर्बरीक की वीरता देख कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से उसका सिर काट दिया और युद्ध को देखने की बर्बरीक की इच्छा पूर्ति के लिए एक पहाड़ी पर छेंकुर के पेड़ पर रख दिया था। महाभारत के युद्ध के बाद बर्बरीक की विवाह व अंतिम संस्कार कर आत्मा को शांति की इच्छा पूर्ति शरद पूर्णिमा को हुई।

भोजपुरी गायक पवन सिंह की पत्नी का अपार्टमेंट में हंगामा, मौके से वीडियो बनाकर किया वायरल

लखनऊ, एजेंसी। भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने रविवार को सुशांत गोल्फ सिटी स्थित सेलिब्रिटी अपार्टमेंट में जमकर हंगामा किया। दरअसल, ज्योति अपने पति पवन सिंह के घर पहुंची थीं। सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें रोक दिया और फोन कर सुशांत गोल्फ सिटी थाने से पुलिस को बुला लिया। इस पर वह भड़क गईं।

ज्योति ने पुलिस से कहा कि वह बिना पति से मिले वापस नहीं जाएंगी। ज्योति ने मौके का वीडियो बनाकर वायरल किया है। आरोप है कि पुलिसकर्मी उन्हें थाने ले जाने के लिए दबाव बना रहे हैं। यही नहीं इंस्पेक्टर भी उन्हें फोन पर धमका रहे हैं। वीडियो में पुलिस और ज्योति में बहस होती दिख रही है। ज्योति पुलिस से कह रही हैं कि वह अपने

पति के घर आई हैं। उन्हें पति के घर पर रहने का पूरा अधिकार है। ज्योति ने कहा कि पति के घर से वह बाहर नहीं निकलेंगी। दबाव बनाया तो वह जहर खा लेंगी।

डीसीपी साउथ दक्षिणी निपुण अग्रवाल के मुताबिक पवन सिंह और ज्योति का विवाद चल रहा है। गार्ड की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले पवन सिंह के भाई फ्लैट से निकले और ज्योति को बुलाकर ले गए। फिलहाल ज्योति अपने पति के फ्लैट में ही हैं।

ट्रंप गच्चा खा गए, लेनी की देनी को होगे मजबूर !

एच-वन-बी वीज़ा विवाद भारत के सामने दोहरी चुनौती पेश करता है। एक ओर लाखों प्रवासी भारतीयों की आजीविका और भविष्य की चिंता है, तो दूसरी ओर यही संकट भारत के लिए सुनहरा अवसर भी है। यदि भारत इस अवसर का लाभ उठाकर रिवर्स ब्रेन ड्रेन को अपनी ताकत बना लेता है तो आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। संकट हमें यह याद दिलाता है कि आत्मनिर्भरता केवल नारे से नहीं बल्कि दूरदर्शी नीतियों और वैश्विक अवसरों को साधने की क्षमता से संभव है।

कुमार समीर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में अब लोगों ने कहना शुरू कर दिया है कि वह चौबे गए छब्बे बनने, दुब्बे बन घर लौटने वाले हैं। जी हां , ट्रम्प बुरी तरह फंस गए हैं। उनके सलाहकारों ने उन्हें कहीं का नहीं छोड़ा है। सलाहकारों ने अमेरिका के अंदर अमेरिकियों से खूब वाहवाही मिलेगी यह सोचकर एच-1 बी वीज़ा का जो नया फरमान उनकी तरफ से जारी करवाया गया गया, वह अब सेल्फ गोल जैसा होता दिख रहा है। कंफ्यूजन का आलम यह है कि व्हाइट हाऊस की तरफ से लगभग रोजाना स्पष्टीकरण जारी किए जा रहे हैं लेकिन फिर भी कंफ्यूजन दूर नहीं हो पा रहा है।

वहीं अमेरिकियों को भी लगने लगा है कि यह उनके लिए आत्मघाती घाव जैसा है। यही वजह है कि ट्रंप के फैसले का अमेरिका में ही विरोध शुरू हो गया है।कैलिफोर्निया की डेमोक्रेट सांसद सिडनी कैमलेगर-डोव ने एच-1 बी वीजा शुल्क एकमुश्त बढाए जाने को अमेरिका की प्रतिस्पर्धा को खत्म करने वाला और भारत-अमेरिका रिश्तों को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। डेमोक्रेटिक सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यह कदम 'अमेरिकी प्रतिस्पर्धा को तबाह कर देगा, अमेरिकी व्यवसायों को चोट पहुंचाएगा और अमेरिका-भारत संबंधों को और नुकसान पहुंचाएगा.'

कैलिफोर्निया की डेमोक्रेट सांसद के मुताबिक राष्ट्रपति अमेरिकी अर्थव्यवस्था की कीमत पर आप्रवासियों और वैश्विक प्रतिभा को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी श्रमिक ट्रंप की बढ़ती बेरोजगारी और मुद्रास्फीति से पीड़ित हैं। वह हानिकारक और ज़ेनोफोबिक नीतियों के बजाय इसे ठीक क्यों नहीं करते?' कैमलेगर-डव के मुताबिक यह नीति न केवल विदेशी प्रतिभाओं के लिए हानिकारक है बल्कि अमेरिकी कंपनियों और विश्वविद्यालयों के लिए भी नुकसानदेह होगी, जो सालों से इस प्रोग्राम पर निर्भर हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ट्रंप "इमिग्रेंट्स और ग्लोबल टैलेंट" को निशाना बनाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और इनोवेशन को चोट पहुंचा रहे हैं। याद रहे कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से पहले राष्ट्रपति रहे बाइडेन के युग का H-1B कार्यक्रम अमेरिकी टेक कंपनियों और विश्वविद्यालयों के लिए विदेशों से उच्च कुशल श्रमिकों को लाने के लिए एक जीवनरेखा रहा है। इस कार्यक्रम के आवेदकों में भारत सबसे बड़ा स्रोत है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस भारी भरकम शुल्क से भारत समेत अन्य देशों के तकनीकी और शोध प्रतिभाओं का रुख दूसरे बाज़ारों की ओर हो सकता है। कमालगर-डव के मुताबिक यह नीति सिर्फ विदेशी श्रमिकों को नहीं, बल्कि अमेरिकी कंपनियों को भी नुकसान पहुंचाएगी जो उनकी विशेषज्ञता पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक आत्मघाती घाव है जो अमेरिकी आर्थिक नेतृत्व को कमजोर करता है।

वहीं 'अमेरिकन इमिग्रेशन लॉयर्स एसोसिएशन' (AILA) के अध्यक्ष जेफ जोसेफ ने भी ट्रंप की नई वीजा नीति की निंदा करते हुए इसे 'असंवेदनशील और क्रूर' बताया है। उनके अनुसार इस कदम से न केवल तकनीकी क्षेत्र, बल्कि छोटे व्यवसायों सहित अन्य उद्योगों को भी नुकसान होगा, जिन्हें महत्वपूर्ण श्रमिकों की आवश्यकता है।

डोनाल्ड ट्रंप के काम करने के तरीको पर भी सवाल उठाए जा रहे है।उन्होने जिस तरह अचानक स्किल्ड वर्कर्स के परमिट की लागत 50 गुना बढ़ाकर 1 लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपये) करने का एलान किया, उससे अफरा-तफरी मच गई। पहले घबराहट, अफरा-तफरी और फिर व्हाइट हाउस की सफ़ाई. एच-1बी वीज़ा पर अमेरिका में काम करने वाले लाखों भारतीयों के लिए परेशान करने वाला रहा। सिलिकॉन वैली की कंपनियों ने अपने कर्मचारियों से कहा कि वे देश से बाहर न जाएं। विदेशों में काम करने वाले लोग तुरंत फ़्लाइट्स खोजने लगे और इमीग्रेशन वकील आदेश को समझने में जुट गए। हालात खराब होने पर व्हाइट हाउस ने माहौल शांत करने की कोशिश की और साफ़ किया कि यह फ़ीस सिर्फ़ नए आवेदकों पर लागू होगी और एक बार ही देनी होगी। इसके बावजूद, लंबे समय से चल रहा एच-1बी प्रोग्राम अब भी अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहा है। यह वही प्रोग्राम है जिसकी आलोचना कभी अमेरिकी कर्मचारियों को 'नुकसान पहुंचाने' के लिए हुई, तो कभी इसे 'दुनिया से टैलेंट लाने के लिए' सराहा गया। इसमें दो राय नही कि भारतीयों के लिए एच-1बी उम्मीदों का जरिया बन गया है। छोटे शहरों के लोग डॉलर कमाने लगे, परिवार मिडिल क्लास में पहुंच गए और एयरलाइंस से लेकर रियल एस्टेट तक की इंडस्ट्री ने विदेश जाने वाले भारतीयों की नई पीढ़ी को सर्विसेज़ देना शुरू किया। वहीं अमेरिका के लिए इसका मतलब था टैलेंट का अंबार, जिसने लैब्स, क्लासरूम, अस्पताल और स्टार्टअप्स को भर दिया।

आज गूगल, माइक्रोसॉफ़्ट आईबीएम जैसी कंपनियों को भारतीय मूल के सीईओ चला रहे हैं और अमेरिकी डॉक्टरों की वर्कफ़ोर्स में करीब 6% भारतीय डॉक्टर है। यानी एच-1बी प्रोग्राम में भारतीयों का दबदबा रहा है। हाल के वर्षों में 70% से ज़्यादा लाभार्थी भारतीय रहे हैं। चीन करीब 12% हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। टेक सेक्टर में यह और भी साफ़ है।

2015 में फ्रीडम ऑफ़ इंफ़ॉर्मेशन एक्ट के तहत हुई एक जांच में पाया गया कि 'कंप्यूटर' कैटेगरी की 80% से ज़्यादा नौकरियां भारतीय नागरिकों को मिली थीं। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि यह अनुपात तब से ज़्यादा बदला नहीं है। वही मेडिकल सेक्टर भी दांव पर है। 2023 में 8,200 से ज़्यादा एच-1बी वीज़ा जनरल मेडिसिन और सर्जिकल अस्पतालों में काम करने के लिए मंज़ूर किए गए।

भारत अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स का सबसे बड़ा सोर्स ह। ये डॉक्टर अक्सर अमेरिका में एच-1बी वीज़ा पर होते हैं और सभी विदेशी डॉक्टरों का लगभग 22% हिस्सा हैं क्योंकि विदेशी डॉक्टर अमेरिका के कुल डॉक्टरों का करीब एक चौथाई हैं, इसलिए भारतीय एच-1बी धारक अमेरिकी डॉक्टरों का लगभग 5-6% हिस्सा बनाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सैलरी के आँकड़े दिखाते हैं कि ट्रंप का नया एक लाख डॉलर फ़ीस वाला नियम व्यावहारिक नहीं है। 2023 में नए एच-1बी कर्मचारियों की औसत सैलरी 94,000 डॉलर थी, जबकि पहले से सिस्टम में मौजूद लोगों की औसत सैलरी 129,000 डॉलर थी।

चूंकि यह फ़ीस सिर्फ नए कर्मचारियों पर लगेगी, ज्यादातर लोग अपनी कमाई से इसे पूरा कर ही नहीं पाएंगे। हालाँकि यह भी सच है कि ह्वाइट हाउस की ताज़ा गाइडलाइन कहती है कि फ़ीस सिर्फ नए एच-1बी आवेदकों पर लगेगी, इसलिए यह तुरंत नहीं बल्कि मध्यम और लंबे समय में कर्मचारियों की कमी पैदा करेगी। इस तरह भारत पर इसका असर पहले दिखेगा, लेकिन असली झटका अमेरिका को लग सकता है।

भारतीय आईटी कंपनियां जैसे टीसीएस और इन्फ़ोसिस पहले ही इस स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय वर्कफोर्स तैयार कर रही हैं और काम को शिफ़्ट भी कर रही हैं। प्यू रिसर्च के आँकड़े बताते हैं कि आज भी एच-1बी पाने वालों में 70% भारतीय हैं। लेकिन 2023 में टॉप 10 एच-1बी एंप्लॉयर्स में सिर्फ तीन का भारत से संबंध था, जबकि 2016 में यह संख्या छह थी। फिर भी, भारत का 283 अरब डॉलर का आईटी सेक्टर अपने अमेरिकी मॉडल पर निर्भरता के कारण कठिनाई का सामना करेगा।

इसका आधे से ज़्यादा राजस्व अमेरिका से आता है। वही अमेरिका पर भी इसका दूरगामी असर होगा । आशंका है कि ट्रंप के H-1B वीज़ा फ़ीस बढ़ाने के फ़ैसले से अमेरिका की यूनिवर्सिटीज़, अस्पताल और छोटे स्टार्ट अप्स पर बुरा असर पड़ सकता है जिससे

अमेरिका पर इसका असर गंभीर हो सकता है। अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी बढ़ सकती है, यूनिवर्सिटीज़ के लिए एसटीईएम छात्रों को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा और छोटे स्टार्टअप्स, जिनके पास गूगल-अमेज़न जैसी लॉबिंग ताकत नहीं है, सबसे ज़्यादा प्रभावित होंगे।

ऐसे मे यह वीज़ा फ़ीस अमेरिकी कंपनियों को मजबूर कर देगी कि वे अपनी हायरिंग पॉलिसी पूरी तरह बदलें और काफ़ी काम ऑफ़शोर भेजें। यह उन फ़ाउंडर्स और सीईओ को भी रोक देगा, जो अमेरिका में अपने बिज़नेस को संभालने आते हैं। यह अमेरिकी इनोवेशन और कंपीटिशन को बड़ा झटका देगा। सच है कि टेक और मेडिकल जैसे सेक्टरों में नए कर्मचारियों की मांग बढ़ रही है। ये सेक्टर इतने अहम और स्पेशलाइज्ड हैं कि अगर कुछ साल भी कमी रही तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। वही यह कदम भारतीय स्किल्ड वर्कर्स को दूसरे देशों की तरफ़ देखने के लिए प्रेरित करेगा और इसका असर अमेरिकी यूनिवर्सिटी सिस्टम पर भी पड़ेगा।

वही इमीग्रेशन वकीलों का मानना है कि ट्रंप का यह कदम जल्द ही कानूनी चुनौती का सामना करेगा। इसके नतीजे असमान होंगे। नई एच-1बी पॉलिसी अमेरिका के लिए कई नकारात्मक नतीजे लाएगी, हालांकि यह देखने में वक्त लगेगा कि वे क्या होंगे।

वनडे में 477 रन से जीती टीम

इस खिलाडी ने 97 गेंदों में 217 रन बनाकर उडाया गर्दा

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बडा स्कोर 498 रन का है, लेकिन करीब इसके बराबर के अंतर से तो एक टीम 50 ओवरों का क्रिकेट मैच जीत गई. जानिए ये मैच कहां हुआ और जो टीम जीती तो उसने रन कितने ज्यादा बनाए थे.

वनडे इंटरनेशनल में जितना एक टीम का स्कोर नहीं बनता, उससे ज्यादा के अंतर से टीम ने मैच जीता. हालांकि ये अंतर्राष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में नहीं हुआ, लेकिन जिस मैच की बात कर रहे हैं उसमे बल्लेबाज ने शॉट मार-माकर गेंदबाजों का बुरा हाल कर दिया. एक ही बल्लेबाज ने 217 रनों की पारी खेली. ये हाई स्कोरिंग मुकाबला 50 ओवरों वाले मलेशियन मेंस अंडर 19 इंटर स्टेट चैंपियनशिप में देखने को मिला. ये मैच पुत्राजया 19 बनाम सालेनगोर 19 था. पहले बल्लेबाजी करते हुए सालेनगोर 19 की टीम ने इतना बडा स्कोर बनाया कि सामने वाली टीम बिखर गई और 477 रनों के बडे अंतर से हार गई.

सालेनगोर 19 ने कितने रन बनाए

आपके मन में सवाल होगा कि कितने रन सालेनगोर ने बनाए जो वो 477 रनों से जीती. बता दें कि पहले बल्लेबाजी करते हुए सालेनगोर कि टीम ने 500 से ज्यादा रन बनाए, टीम ने 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 564 रन बनाए. इतने बडे स्कोर में मुहम्मद अकरम नाम के बल्लेबाज की बडी भूमिका रही, जिन्होंने दोहरा शतक ठोका.

मुहम्मद अकरम ने बनाए 217 रन

अकरम ने 217 रनों की पारी सिर्फ 97 गेंदों में खेली. उनकी इस विस्फोटक पारी के कारण ही सालेनगोर 19 टीम 564 रन बना पाई. जबकि विरोधी टीम के सभी बल्लेबाज मिलकर भी 100 रन नहीं बना पाए.

83 रन पर ऑल आउट हुई पुत्राजया 19

पुत्राजया 19 टीम को जीतने के लिए 565 रनों का लक्ष्य मिला था, जो हासिल करना मतलब नामुमकिन ही था. लेकिन इतने बडे लक्ष्य का पीछा करते हुए इस टीम की इतनी बुरी हालत हो जाएगी, वो भी उन्होंने नहीं सोचा होगा. लक्ष्य का पीछा करते हुए पुत्राजया 19 टीम 21.5 ओवरों में 87 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. इस तरह सालेनगोर 19 ने इस मैच को 477 रनों से जीत लिया.

ROKO के वनडे फ्यूचर पर इस क्रिकेटर की दो टूक

रोहित-विराट को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलने हैं. इस दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान 4 अक्टूबर को किया गया. टी20 टीम में तो ज्यादा फेरबदल नहीं हुआ, लेकिन वनडे टीम बदली-बदली नजर आ रही है. सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीन ली गई है. रोहित की जगह शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया है.

इसके अलावा श्रेयस अय्यर को वनडे उप-कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है.वैसे रोहित शर्मा और विराट कोहली 15 सदस्यीय ओडीआई स्क्वॉड का हिस्सा हैं. रोहित-कोहली आखिरी बार इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में खेले थे. उसके बाद से ये दोनों प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं. टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा कि अगर रोहित और विराट 2027 वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, तो उन्हें लगातार क्रिकेट खेलना होगा.

इरफान का मानना है कि सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि मैच फिटनेस बनाए रखना जरूरी है.

मोहम्मद सिराज का दावा

जसप्रीत बुमराह ओवल में खेलते तो खत्म हो जाता करियर

नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह को साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ में दिक्कत हो गई थी। इसके कारण वह कुछ समय तक मैदान से दूर रहे। वह चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए। आईपीएल 2025 में 12 मैच खेले। इंग्लैंड दौरे पर केवल 3 टेस्ट खेले। एशिया कप में भारत की विजयी अभियान का हिस्सा रहे। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल 3 मैच खेले थे। बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर काफी बहस हुई थी। खासकर तब जब ओवल में आखिरी टेस्ट से पहले भारत 1-2 से पीछे चल रहा था। बुमराह इस मैच में न खेलने के अलावा स्क्वाड से रिलीज हो गए थे। इसके बाद बुमराह की काफी आलोचना हुई और कहा गया वह कौन मैच खेलेंगे और कौन सा नहीं खेलेंगे यह चुनने की उन्हें छूट नहीं दी जानी चाहिए। आइडिया एक्सेंज में ओवल टेस्ट के हीरो मोहम्मद सिराज से बुमराह के न खेलने को लेकर सवाल हुआ। इस पर सिराज ने बुमराह को पीठ की सर्जरी का हवाला देते हुए कहा कि ओवल में वह खेलते तो उनका करियर खत्म हो सकता था। भारतीय फैंस को समझना चाहिए कि बुमराह टीम की रीढ़ की तरह हैं। उन्होंने बेहतर फैसला लिया।

सिराज ने क्या कहा

बुमराह भाई बाहरी राय की परवाह नहीं करते। उनकी पीठ में गंभीर चोट थी और एक बड़ी सर्जरी भी हुई थी। अगर उन्होंने उस मैच में गेंदबाजी की होती और चोट उभर जाती तो क्या पता वह फिर कभी दोबारा गेंदबाजी कर पाते या नहीं। यह इतनी गंभीर है।

हिकारू नाकामुरा ने डी गुकेश का किंग दर्शकों में फेंका

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज रविवार 5 अक्टूबर 2025 को एक नए विवाद में फंस गया, जब दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा ने टेक्सास के ई-स्पोर्ट्स एरिना अर्लिंग्टन में एक प्रदर्शनी मैच में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराने के बाद उनका किंग दर्शकों के बीच फेंक दिया। प्रदर्शनी मुकाबले में टीम यूएसए ने भारतीय टीम को हराया था।

भारतीय टीम में गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और दिव्या देशमुख जैसे दिग्गज खिलाड़ी थे, लेकिन वे नाकामुरा, फैबियानो कारुआना और कारिसा यिप वाली टीम के खिलाफ 0-5 से हार गए। इस मुकाबले का सबसे बड़ा मुद्दा नाकामुरा द्वारा गुकेश के किंग को दर्शकों के बीच फेंकना था, जिसके बारे में यूट्यूबर लेवी रोजमैन (जिन्हें गोथम शतरंज के नाम से जाना जाता है) जैसे अन्य खिलाड़ियों ने बताया कि खेल के आयोजकों ने ही खिलाड़ियों को ऐसा करने का सुझाव दिया था। इस कृत्य की आलोचना की है, जबकि अनीश गिरी ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इतना हंगामा किस बात का है।

फुटबॉल:

लेवानदॉस्की की चूक से बार्सिलोना को मिली हार, पुलिसिच की गलती से रुका मिलान का जीत का सिलसिला

लंदन, एजेंसी। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रविवार का दिन बार्सिलोना के लिए निराशाजनक रहा। टीम को सेविला के खिलाफ 1-4 की करारी हार झेलनी पड़ी, जो उसकी लगातार दूसरी हार है। इससे पहले बार्सिलोना को चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मेन (क्स्त) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इस मुकाबले में रॉबर्ट लेवानदॉस्की के पास पेनल्टी के जरिए गोल करने का शानदार मौका था, लेकिन वह गोल पोस्ट को भेद नहीं सके। उनके शॉट को सेविला के गोलकीपर ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया, जिससे टीम के वापसी के मौके लगभग खत्म हो गए। मैच के दौरान टीम के युवा स्टार लेमिन यमाल चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए, जिससे जावी की टीम के लिए मुश्किलें और बढ़ गईं। इस हार के साथ बार्सिलोना अंक तालिका में पिछड़ गई है, जबकि रियल मैड्रिड ने शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रियल मैड्रिड ने शनिवार को विलारीयाल को 3-1 से हराकर दो अंकों की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना, जो इस मैच से पहले तक अजेय थी, अब अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले अपनी रणनीति पर गंभीर समीक्षा करेगी।

पुलिसिच की पेनल्टी मिस से रुक गया मिलान का जीत का सिलसिला: इटली की सिरी ए लीग में भी रविवार को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला जब एसी मिलान को यूवेंटस के खिलाफ 1-1 के ड्रॉ पर रुकना पड़ा। इस मैच में स्टार अमेरिकी खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिच ने पेनल्टी का मौका गंवा दिया। पुलिसिच, जिन्होंने इस सीजन में मिलान के लिए छह गोल दागे और दो असिस्ट किए हैं, ने मैच के अहम क्षण में गोल करने का मौका खो दिया। उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से चला गया और टीम को जीत से वंचित कर दिया। यह पुलिसिच के पेशेवर करियर का केवल दूसरा मौका था जब वे पेनल्टी को गोल में नहीं बदल सके। पिछले सीज़न में भी उनके शॉट को टोरिनो के गोलकीपर सर्गेज मिलिनकोविच-साविच ने रोका था।

अंक तालिका में फिसली मिलान, नेपोली और रोमा ने जीते मुकाबले: इस ड्रॉ के साथ एसी मिलान की लगातार पांच जीतों की लड़ी टूट गई है। टीम अब तीसरे स्थान पर खिसक गई है और नेपोली व रोमा से दो अंक पीछे है, जिन्होंने अपने मुकाबले जीतकर शीर्ष की दौड़ में जगह बनाए रखी है। नेपोली ने एक गोल से पिछड़ने के बाद जिनोआ को 2-1 से हराया, जबकि रोमा ने भी फायोरेंटिना को 2-1 से मात दी।

पहले एशिया कप, अब वर्ल्ड कप संडे बना पाकिस्तानियों के लिए बैड डे, टीम इंडिया ने चार बार सिखाया सबक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ वूमेन्स ओडीआई में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा है. भारतीय टीम की महिला वर्ल्ड कप 2025 में ये लगातार दूसरी जीत रही. अब भारतीय टीम 9 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका का सामना करने जा रही है. भारत पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को क्रिकेट के मैदान पर भी लगातार परास्त कर रहा है. अब आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 88 रनों से धो दिया. 5 अक्टूबर (रविवार) को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान के सामने 248 रनों का टारगेट सेट किया था. ये टारगेट पाकिस्तानियों के लिए पहाड़ सरीखा साबित हुआ. पाकिस्तान की पूरी टीम 43 ओवरों में 159 रनों पर ही ढेर हो गई. देखा जाए तो भारत ने बैक टू बैक चार रविवार (संडे) को पाकिस्तानी टीम के खिलाफ मुकाबले जीते हैं. पाकिस्तान के लिए हर रविवार किसी दु:स्वप्न से कम नहीं रहा है. 14 सितंबर, 21 सितंबर और 28 सितंबर- इन तीनों तारीखों को भारत ने मेन्स एशिया कप 2025 में पाकिस्तान को पटखनी दी. अब, 5 अक्टूबर को भारतीय टीम ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को मात दिया. यानी भारत ने लगातार चौथे रविवार जीत का परचम लहराया है. 14 सितंबर को भारतीय पुरुष टीम ने एशिया कप 2025 के ग्रुप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से परास्त किया. फिर 21 सितंबर को पाकिस्तानी टीम भारत के हाथों सुपर-चार मुकाबले में 6 विकेट से पिटी.

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रदर्शन

- 22 पदक, 30 से ज्यादा पर्सनल बेस्ट, 9 स्पर्धाओं में चौथा स्थान, 7 एशियाई और 3 वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की पदक तालिका में मेजबान भारत भले ही 10वें नंबर पर रहा, लेकिन उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने 22 मेडल झटके। भारत के 6 एथलीटों ने स्वर्ण, 9 ने रजत और 7 ने कांस्य पदक झटका। भारत के 30 से ज्यादा एथलीटों ने अपना पर्सनल बेस्ट (सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन) परफॉर्मेंस दिया। 9 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे। 7 खिलाड़ियों ने एशिया का रिकॉर्ड अपने नाम किया। 3 एथलीटों ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप रविवार (5 अक्टूबर) को संपन्न हुआ। मेजबान भारत कुल 22 पदकों के साथ पदक तालिका में दसवें स्थान पर रहा। आखिरी दिन चार पदक जीतने के बावजूद तालिका में स्थान के लिहाज से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं रहा। भारत का तालिका के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले संस्करण में कोबे में रहा था। वह कुल 17 पदकों के साथ छठे स्थान पर रहा था।

आखिरी दिन इन देशों से पिछड़ा भारत

आखिरी दिन से पहले कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड, इटली, स्विट्जरलैंड और थाईलैंड के साथ भारत संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर था, जिनके पास छह-छह स्वर्ण पदक थे। हालांकि, शीर्ष पांच में जगह बनाने की होड़ में ईरान ने तीन स्वर्ण पदक जीते और तीसरे स्थान पर रहा। नीदरलैंड और पोलैंड ने क्रमशः दो और तीन स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष पांच में जगह बनाई, जबकि कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन और इटली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दसवें स्थान पर धकेल दिया।

तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड

भारत ने इस चैंपियनशिप में तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाए। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने एफ64 वर्ग में 71.37 मीटर भाला फेंककर चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता शैलेश कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी42 स्पर्धा में 1.91 मीटर की छलांग लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। पहली बार विश्व चैंपियन बने रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला एफ46 स्पर्धा में 66.37 मीटर की दूरी तय करके चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। भारतीय पैरा एथलीटों ने इस आयोजन में 30 व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किए।

ट्रैक में सबसे ज्यादा पदक

यह विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत द्वारा जीते गए सर्वाधिक ट्रैक पदक हैं। भारत ने नई दिल्ली में छह ट्रैक पदक जीते, जबकि कोबे में पिछले संस्करण में चार पदक जीते थे। सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर टी12 श्रेणी में 100 मीटर में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत पदक झटका। प्रीति पाल ने 100 मीटर और 200 मीटर टी35 श्रेणियों में 100 मीटर में कांस्य और 100 मीटर में रजत झटका। संदीप कुमार पुरुषों की 200 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ विश्व चैंपियनशिप में ट्रैक पदक जीतने वाले पहले पुरुष भारतीय पैरा एथलीट बने।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के लिए पदक विजेता

स्वर्ण

सिमरन शर्मा - महिला 100 मीटर टी12।
शैलेश कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी63।
रिंकू हुड्डा - पुरुष भाला फेंक एफ46।
सुमित अंतिल -पुरुष भाला फेंक एफ64।
संदीप सर्गर - पुरुष भाला फेंक एफ44।
निषाद कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी47।

रजत पदक

सिमरन शर्मा- महिला 200 मीटर टी12।
प्रीति पाल- महिला 200 मीटर टी35।
एकता भयान- महिला क्लब थ्रो एफ51।
दीप्ति जीवनजी- महिला 400 मीटर टी20।
नवदीप सिंह- पुरुष भाला फेंक एफ41।
धरमबीर नैन- पुरुष क्लब थ्रो एफ51।
संदीप- पुरुष भाला फेंक एफ44।
योगेश कथुनिया- पुरुष डिस्कस थ्रो एफ56।
सुंदर सिंह गुर्जर- पुरुष भाला फेंक एफ46।

कांस्य पदक

संदीप - पुरुष 200 मीटर टी44
सोमन राणा - पुरुष गोला फेंक एफ57
प्रवीण कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी64
प्रीति पाल - महिला 200 मीटर टी35
प्रदीप कुमार -पुरुष चक्का फेंक एफ44
अतुल कौशिक - पुरुष चक्का फेंक एफ57
वरुण सिंह भाटी - पुरुष ऊंची कूद टी63